@Kamal.Sandesh KamalSandeshLive www.kamalsandesh.org kamal.sandesh @KamalSandesh

कमल संदेश

'महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा ने 'सबका साथ, सबका विकास' के साथ सरकार चलाई'

वर्ष-14, अंक-21 01-15 नवम्बर, 2019 (पाक्षिक) ₹20

विधानसभा चुनाव परिणाम 2019

महाराष्ट्र और हरियाणा में शानदार विजय

महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में हुए जश्न के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेतागण

महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारी जीत के बाद जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्तागण

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com

वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 भाजपा-एनडीए को पुनः मिला जनता का अपार स्नेह

हाल ही में संपन्न महाराष्ट्र एवं हरियाणा विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की। महाराष्ट्र में भाजपा–शिवसेना गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर एक बार फिर परचम फहरा दिया, वहीं हरियाणा में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और बहुमत के करीब आने का गौरव प्राप्त किया।

वैचारिकी

समाजवाद और लोकतंत्र 18

श्रद्धांजलि

आचार्य विनोबा भावे 20

साक्षात्कार

दक्षिण कोरिया से हम कई विषयों पर सीख सकते हैं: मुरलीधर राव 25

अन्य

उपचुनाव: भाजपा को 17 सीटें मिलीं 14

दिल्ली की 1797 अनधिकृत कालोनियों के निवासियों को मिलेगा मालिकाना हक 15

भारत की विश्व बैंक कारोबार सुगमता सूची में 14 स्थान की छलांग, विश्व में 63वां रैंक 17

मोदी की गांधी के साथ वाले चित्र की सबसे ऊंची बोली 21

वैश्विक एवं क्षेत्रीय महत्व के सामरिक, दीर्घकालिक एवं महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान 22

कॉरपोरेट कर में कमी से भारत में निवेश में होगा सुधार: आईएमएफ 27

गांधीजी का विचार विश्व को जोड़ता है: नरेन्द्र मोदी 28

अभिजीत बनर्जी को मिला अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार 29

गुप्त वंश की सबसे बड़ी सफलता एक 'अखंड भारत' की रचना: अमित शाह 30

चेनानी नशरी सुरंग का नाम अब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग 32

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सागर पर लिखी एक भावुक कविता 33

10 इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए महाराष्ट्र एवं हरियाणा की जनता को हार्दिक बधाई: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अक्टूबर को...

11 महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा ने 'सबका साथ, सबका विकास' के साथ सरकार चलाई: अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 24 अक्टूबर...

13 जेपी नड्डा ने महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की जीत के लिए पार्टी कार्यकार्ताओं को दी बधाई

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा ने 24 अक्टूबर को विधानसभा चुनावों...

16 बीएसएनएल, एमटीएनएल का होगा विलय

केंद्रीय सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों बीएसएनएल और एमटीएनएल के लिए...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

एक तरफ दर्द, दूसरी तरफ हमदर्द! ये है कांग्रेस की कहानी भारतीय सेना का अपमान करो, उनका मजाक उड़ाओ और उन्हीं के दावों के आधार पर पड़ोसी देश शोर मचाता है।

@AmitShah

रबी फसलों के एमएसपी को बढ़ाने के ऐतिहासिक निर्णय पर श्री नरेन्द्र मोदी को बधाई। मोदी सरकार के इस निर्णय से किसानों को रबी फसलों के उत्पादन की औसत लागत के करीब डेढ़ गुने तक लाभ मिलेगा। यह 2022 तक किसानों की आय दोगुना कर उनके जीवनस्तर को सुधारने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

@JPNadda

मोदी सरकार ने 40 लाख दिल्लीवासियों को दीपावली का बड़ा उपहार दिया है। अब दिल्ली की अनाधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले 40 लाख लोगों को उनके घर का मालिकाना हक मिलेगा। इस ऐतिहासिक निर्णय पर मैं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हृदय से बधाई देता हूं।

facebook

'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किये उन सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी, भारतीय परंपरा के अनुसार नारी सशक्तिकरण में जिनकी बड़ी भूमिका है। हमने जिस सृष्टि की परिकल्पना की उसका आधार ही मातृ शक्ति का सशक्तिकरण है और इसी से इस चराचर जगत के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। इसी भाव के साथ 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने प्रारम्भ किया। 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' उनके इस अभियान को बल देगी।

— योगी आदित्य नाथ

उत्तराखंड के 16, श्रेणी-2 शहरों के लिए 1400 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत करने के लिए मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। इस योजना से शहरी क्षेत्रों में पेयजल, ड्रेनेज, सीवरेज, सड़क, ट्रांसपोर्ट सुधार जैसे महत्वपूर्ण कार्य तेजी से होंगे। योजना के पहले चरण में डोईवाला, विकासनगर, पिथौरागढ़, काशीपुर, रुद्रपुर तथा दूसरे चरण में गोपेश्वर, जोशीमठ, श्रीनगर, टनकपुर, चंपावत, अल्मोड़ा, बागेश्वर, किच्छा, खटीमा, जसपुर सितारगंज में सीवरेज, सड़क, ट्रांसपोर्ट, पेयजल ड्रेनेज के कार्य किए जाएंगे।

— त्रिवेन्द्र सिंह रावत

महाराष्ट्र और हरियाणा में पुनः जनादेश

महाराष्ट्र एवं हरियाणा में भाजपा सरकारों को जनता ने पुनः एक बार शानदार जनादेश दिया है। जहां महाराष्ट्र में भाजपा–शिवसेना महायुति को स्पष्ट बहुमत मिला है, वहीं हरियाणा में 3 प्रतिशत वोट की बढ़ोतरी के साथ भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। भारतीय राजनीति में यह एक नई परिपार्टी बन रही है कि अपने सकारात्मक कार्यों के आधार पर कोई सरकार दुबारा चुन कर आ रही है। यह ऐसा जनादेश है जब सरकार के पक्ष में 'प्रो–इंकम्बेंसी' जनादेश के द्वारा भारतीय राजनीति में विश्वास एवं आशा का नया वातावरण तैयार हुआ है। इस तरह के जनादेश से सरकार के कड़े परिश्रम का सम्मान तथा जनता द्वारा विकास एवं सुशासन की राजनीति पर मुहर है। यह एक ऐसा जनोदश है जिसमें जनाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा किये गए अथक प्रयासों की स्वीकृति है जिसमें सकारात्मक कार्य के बल पर सरकार बार–बार जनविश्वास जीतती है। यह एक ऐसा जनोदश है जो यह दर्शाता है कि कांग्रेस नीत यूपीए के कुशासन भ्रष्टाचार घपले एवं घोटाले के दौर से देश निकल चुका है तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व तथा विभिन्न राज्यों में भाजपा सरकारों के सुराज में देश विकास एवं सुशासन के पथ पर अग्रसर है। यह एक ऐसा जनादेश है जो पारदर्शी सुशासन, जन–जन को समर्पित विकासोन्मुखी सरकार जो 'स्पीड, स्केल और स्किल' के आधार पर कार्य कर सकती हो, को अपना आशीर्वाद देती है। जनता राजनीति में इन सकारात्मक परिवर्तनों का स्वागत एवं समर्थन कर रही है।

यह एक ऐसा जनोदश है जो यह दर्शाता है कि कांग्रेस नीत यूपीए के कुशासन भ्रष्टाचार घपले एवं घोटाले के दौर से देश निकल चुका है तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व तथा विभिन्न राज्यों में भाजपा सरकारों के सुराज में देश विकास एवं सुशासन के पथ पर अग्रसर है।

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस के नेतृत्व में प्रदेश की बहुप्रतिक्षित राजनीतिक स्थिरता मिली है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि पिछले पचास वर्षों के इतिहास में श्री देवेन्द्र फडणवीस महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री है जिन्होंने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल को पूरा किया तथा उन्हें पुनः जनता का आशीर्वाद मिला है। इस राजनीतिक स्थिरता से प्रदेश में लंबे समय से चल रही समस्याओं के समाधान के लिए दूरगामी एवं प्रभावी नीतियां, केंद्र एवं राज्य सरकारों के अभिनव जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, तात्कालिक समस्याओं के त्वरित निवारण एवं दूरदर्शी कार्यक्रमों से राज्य के भविष्य के लिए जन–जन के मन में आशा एवं विश्वास का संचार हुआ है। इसी प्रकार से हरियाणा में खट्टर-सरकार ने पांच वर्षों में नए अवसरों के द्वार खोले तथा प्रदेश के सर्वांगिण विकास का पथ प्रशस्त किया है। मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल खट्टर की जनप्रिय योजनाओं एवं जन–जन के लिए समर्पित कार्यक्रमों को पिछली बार की तुलना में जनता ने 3 प्रतिशत अधिक मतों से अपना आशीर्वाद दिया है। इन दोनों राज्यों में भाजपा सरकारों ने भ्रष्टाचारमुक्त, जिम्मेदार, पारदर्शी एवं जनभागीदारी से युक्त सुशासन देने में सफलता प्राप्त की हैं। इन दोनों राज्यों को जनता ने विकास के बड़े कार्य–योजनाओं, भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रभावी कदम तथा गरीब से गरीब व्यक्ति तक सरकार की पहुंच बनने के कारण इन सरकारों को अपना व्यापक समर्थन दिया है।

भारत की राजनीति नई ऊर्जा से ओत–प्रोत है और जन–जन में भविष्य के सपनों को पूरा करने के लिए विकास कार्यों को और अधिक सुदृढ़ कर गति प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक भागीदारी का संकल्प पल्लिवत हो रहा हैं। विकास के लिए जनाकांक्षाओं को जगाने का श्रेय यदि किसी को दिया जा सकता है तो वे हैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जिन्होंने युवा, महिला, किसान, मजदूर एवं समाज के गरीब से गरीब व्यक्ति को उज्ज्वल भविष्य के लिए सपने देखने को प्रेरित किया है। एक ओर जहां प्रधानमंत्री के करिश्माई नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने उपलब्धियों के अनेक उदाहरण खड़े किये हैं वहीं दूसरी ओर प्रदेशों में भाजपा सरकारों ने विकास के कई पैमानों पर अद्भुत उपलब्धियां प्राप्त की हैं।

ये अनुपम उपलब्धियां जनता द्वारा बार–बार दिये गए जनादेशों में परिलक्षित हुई है और इसे 2019 के लोकसभा चुनाव व महाराष्ट्र एवं हरियाणा के जनादेश में देखा जा सकता है। महाराष्ट्र में पुनः भाजपा सरकारों को जनादेश देकर जन–जन ने विकास एवं सुशासन की राजनीति को पुनः एक बार अपना मजबूत समर्थन दिया है। यह समय है कि जन–जन की आकांक्षाओं पर खरे उतरने के लिए तथा पुनः जनसेवा हेतु नए उत्साह एवं ऊर्जा के साथ पुनः जनादेश प्राप्त भाजपा सरकारें स्वयं को समर्पित करें। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

महाराष्ट्र में भाजपा–शिवसेना गठबंधन
हरियाणा में भाजपा बनी सबसे ब

भाजपा-एनडीए को पुनः मिला जनत

हाल ही में संपन्न महाराष्ट्र एवं हरियाणा विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की। महाराष्ट्र में भाजपा–शिवसेना गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर एक बार फिर परचम फहरा दिया, वहीं हरियाणा में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और बहुमत के करीब आने का गौरव प्राप्त किया।

288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा ने सर्वाधिक 105 सीटों और शिवसेना ने 56 सीटों पर जीत हासिल की। दूसरी तरफ कांग्रेस को 44 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 54 सीटें मिलीं।

हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों में से भाजपा ने 40 सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस को 31 सीटें मिली। 11 माह पहले ही अस्तित्व में आई जननायक जनता पार्टी ने 10 सीटें जीतीं। इस बार 7 निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी जीत हासिल की।

जनता का विश्वास कायम रखेंगे: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव में जनता ने भाजपा पर जो भरोसा जताया है, उसे पूरी तरह कायम रखा जाएगा। दोनों राज्यों में विकास की नई योजनाओं के साथ उन पर अमल की गति भी तेज होगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों के हित भाजपा के लिए सर्वोपरि हैं और इसी का नतीजा है कि पार्टी को दोनों राज्यों में फिर से सरकार बनाने का

> महाराष्ट्र के लोगों ने एनडीए को अपार स्नेह दिया है। महाराष्ट्र में एक बार फिर से जनता का समर्थन पाकर आभारी हूं। महाराष्ट्र की प्रगति की दिशा में हमारा काम जारी है। मैं भाजपा, शिवसेना और हमारे पूरे एनडीए परिवार के हर कार्यकर्ता को उनकी कड़ी मेहनत के लिए सलाम करता हूं।
>
> — **नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री

को पूर्ण बहुमत
ड़ी पार्टी
ता का अपार स्नेह

विधान सभा के साधारण निर्वाचन OCT-2019 के परिणाम

महाराष्ट्र	
दल का नाम	विजयी
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन	2
बहुजन विकास अघाड़ी	3
भारतीय जनता पार्टी	105
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट)	1
निर्दलीय	13
इंडियन नेशनल कांग्रेस	44
जन सुराज्य शक्ति	1
क्रांतिकारी शेतकरी पार्टी	1
महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना	1
नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी	54
पीजेन्ट्स एण्ड वर्कर्स पार्टी ऑफ इण्डिया	1
प्रहर जनशक्ती पक्ष	2
राष्ट्रीय समाज पक्ष	1
समाजवादी पार्टी	2
शिवसेना	56
स्वाभिमानी पक्ष	1
कुल	288

भाजपा-शिवसेना गठबंधन में विश्वास प्रकट करने के लिए महाराष्ट्र की जनता का कोटि-कोटि अभिनंदन।
मोदी जी के नेतृत्व में महाराष्ट्र सरकार निरंतर प्रदेश की प्रगति और जनता की सेवा के लिए समर्पित रहेगी। मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस, श्री सीडी पाटिल व सभी कार्यकर्ताओं को बधाई।

— **अमित शाह,** गृहमंत्री

अवसर मिला है।

दोनों मुख्यमंत्रियों का काम बेहतर रहा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस और मनोहर लाल का पहला अनुभव था। इससे पहले किसी भी सरकार में वे मंत्री भी नहीं थे। महाराष्ट्र में पिछली बार भाजपा को बहुमत नहीं मिला था और हरियाणा में बहुमत से सिर्फ दो सीटें ज्यादा मिली थीं। मगर दोनों मुख्यमंत्रियों ने बेहतर शासन दिया है और उसी का परिणाम है कि आज जनता ने उन पर दोबारा विश्वास जताया है।

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र और हरियाणा की जनता का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे पर आगे बढ़ेगी।

दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की सरकार पर एक भी दाग नहीं लगा है। इससे साफ है कि भाजपा भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर अमल कर रही है। सुशासन और पारदर्शी कामकाज भाजपा की प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

भ्रष्टाचारमुक्त सरकार चलाई : अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने महाराष्ट्र एवं हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को काफी बड़ा बताया। उन्होंने कहा कि ये राज्य हमारे परंपरागत राज्य नहीं थे। महाराष्ट्र और हरियाणा में हम कभी मुख्यमंत्री नहीं बना सके थे। 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और उसके तुरंत बाद महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव हुआ और हमने सरकार बनाई। हमने जीरो करप्शन के साथ दोनों राज्यों में सरकार चलाई।

भाजपा का स्ट्राइक रेट बेहतर रहा : फडणवीस

मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा चुनाव के नतीजे आने

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को मिला जनादेश अपने आप में एक अभूतपूर्व विजय है। ऐसा इसलिए क्योंकि आमतौर पर इन दिनों एक सरकार के पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद उसके दोबारा जीतने की घटनाएं बहुत कम हैं।... ऐसे समय में दोबारा विश्वास और आशीर्वाद प्राप्त कर पुनः सेवा का मौक़ा प्राप्त करना, यही बड़ी बात है।

— **नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

दोनों राज्यों के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व, विकासवादी नीतियों, भ्रष्टाचार-मुक्त सरकार और राज्य के सुशासन के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया है। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि हम दोनों राज्यों में विकास की गति को तेज करेंगे और प्रत्येक व्यक्ति की सेवा करेंगे।

— **जे.पी. नड्डा,** भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष

मैं भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को 'स्पष्ट और निर्णायक जनादेश' देने के लिए महाराष्ट्र की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और देश के गृह मंत्री अमित शाह जी और बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी का भी आभार व्यक्त करता हूं।

— **देवेंद्र फडणवीस**

भाजपा पर विश्वास दर्शाते हुए प्रदेश की जनता ने फिर एक बार भाजपा को सबसे बड़े दल के रूप में अपना आशीर्वाद दिया है, इसके लिए मैं हरियाणा की सम्मानित जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

— **मनोहर लाल खट्टर**

गत 5 वर्षों में मोदी जी के केंद्रीय नेतृत्व में खट्टर सरकार ने हरियाणा की जनता के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किये। भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी बनाकर पुनः सेवा का मौका देने के लिए जनता का अभिनंदन करता हूं। मुख्यमंत्री श्री @mlkhattar, श्री @subhashbrala व सभी कार्यकर्ताओं को बधाई।

— **अमित शाह,** गृहमंत्री

विधान सभा के साधारण निर्वाचन OCT-2019 के परिणाम

हरियाणा	
दल का नाम	विजयी
भारतीय जनता पार्टी	40
हरियाणा लोकहित पार्टी	1
निर्दलीय	7
इंडियन नेशनल कांग्रेस	31
इंडियन नेशनल लोक दल	1
जननायक जनता पार्टी	10
कुल	90

पर कहा कि भाजपा ने 2014 की तुलना में कम सीटें जीती हैं लेकिन इस बार उसका स्ट्राइक रेट बेहतर है। श्री फडणवीस ने भाजपा नीत राजग को स्पष्ट और निर्णायक जनादेश देने को लेकर महाराष्ट्र के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा और शिवसेना सत्ता की साझेदारी के बारे में अपने बीच हुए पूर्व के निर्णय के अनुसार आगे बढ़ेगी।

उन्होंने कहा, मैं महायुति (महागठबंधन) को स्पष्ट जनादेश देने के लिए महाराष्ट्र के लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, यह समय खुशी मनाने का है ना कि विश्लेषण करने का। लेकिन जब हम नतीजों को देखते हैं तो भाजपा ने 2014 में 260 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 122 पर जीत दर्ज की थी। इस बार हम 164 सीटों पर चुनाव लड़े और 105 सीटें जीती। हमारा स्ट्राइक रेट बेहतर है, हमने 70 प्रतिशत सीटें जीती हैं। श्री फडणवीस ने 2014 में कुल वोटों में भाजपा को 28 प्रतिशत प्राप्त होने का जिक्र करते हुए कहा, इस बार हमें 26.5 प्रतिशत वोट मिले, जबकि हम 164 सीटों पर चुनाव लड़े थे। उन्होंने राकांपा प्रमुख शरद पवार पर तंज कसते हुए

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के लिए श्री @Dev_Fadnav को बधाई। मैं हरियाणा में सफलता के लिए @mlkhattar जी और उनकी टीम को भी बधाई देता हूं। महाराष्ट्र और हरियाणा के जनता का धन्यवाद जिन्होंने दोनों राज्यों में एनडीए को पुन: जनादेश दिया है।

— **राजनाथ सिंह,** रक्षा मंत्री

मैं महाराष्ट्र की जनता का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने एक बार फिर हमारी सरकार को चुना है। मैं इस जीत के लिए पीएम श्री @narendramodi, गृह मंत्री श्री @AmitShah, CM Shri @Dev_Fadnavis और हमारी पार्टी के लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं।

— **नितिन गडकरी,** सड़क परिवहन, राजमार्ग व जहाजरानी मंत्री

कहा कि उन्होंने (पवार) कहा था कि विपक्षी पार्टियां चुनाव में सूपड़ा साफ कर देंगी। उन्होंने कहा, सिर्फ हम सरकार बनाने जा रहे हैं, वे (विपक्ष) इससे कोसों दूर हैं।

भाजपा को पुन: जीताने के लिए जनता का आभार: मनोहर लाल खट्टर

हरियाणा में चुनाव नतीजों की घोषणा होने के बाद सूबे के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने पुनः भाजपा में विश्वास जताने के लिए जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 2019 के चुनावों में भाजपा को 36% मत मिले हैं जो 2014 की तुलना में 3% अधिक हैं। भाजपा पर विश्वास दर्शाते हुए प्रदेश की जनता ने फिर एक बार भाजपा को सबसे बड़े दल के रूप में अपना आशीर्वाद दिया है, इसके लिए मैं हरियाणा की सम्मानित जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत पांच वर्ष के कार्यकाल में सरकार के कार्य करने की व्यवस्था में नई दिशा तय की गई है और अब शेष बचे हुए कार्यों को पूरी गति के साथ पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मिलीजुली सरकार में पार्टी की मुख्य विचारधारा के साथ-साथ सहयोगी दलों की विचारधारा से समन्वय स्थापित करके कार्य करना होता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग दलों की प्राथमिकताएं अलग हो सकती है, लेकिन प्रदेश के विकास को लेकर सभी विचारधाराएं एक जैसी है। ■

इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए महाराष्ट्र एवं हरियाणा की जनता को हार्दिक बधाई: नरेन्द्र मोदी

दोबारा विश्वास और आशीर्वाद प्राप्त करना बड़ी बात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अक्टूबर को महाराष्ट्र और हरियाणा के विधान सभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के उमड़े विशाल सैलाब को संबोधित किया और इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए महाराष्ट्र एवं हरियाणा की जनता को हार्दिक बधाई व धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि मैं सबसे पहले दिवाली आरंभ होने से पूर्व ही महाराष्ट्र और हरियाणा की जनता ने भाजपा के हमारे साथियों के प्रति जो विश्वास जताया है, हमें जो आशीर्वाद दिया है, इसके लिए मैं उनका अंतःकरण से धन्यवाद करता हूं।

उन्होंने महाराष्ट्र एवं हरियाणा में पार्टी की शानदार जीत सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़णवीस, श्री मनोहर लाल खट्टर, प्रदेश नेतृत्व एवं पार्टी कार्यकर्ताओं का हार्दिक अभिनंदन करते हुए उन्हें भी जीत की बधाई दी। मैं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी, पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी एवं उनकी पूरी टीम को सफल चुनाव अभियान के लिए हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

श्री मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा, दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री के रूप में श्री देवेन्द्र फड़णवीस जी एवं श्री मनोहर लाल खट्टर जी का यह पहला ही अनुभव था। इससे पहले हमारे दोनों मुख्यमंत्री कभी किसी सरकार में मंत्री भी नहीं रहे। पिछली बार महाराष्ट्र में हमें अकेले बहुमत नहीं मिला था और हरियाणा में केवल 2 सीटों का बहुमत मिला था, उसके बावजूद भी सबको साथ लेकर के दोनों मुख्यमंत्रियों ने पांच वर्ष तक महाराष्ट्र और हरियाणा की सेवा की है। वे ईमानदारी के साथ राज्य के विकास और प्रदेश की जनता की भलाई के लिए अविरल कार्य करते रहे जिसका परिणाम है कि आज जनता ने एक बार पुनः उनके नेतृत्व के ऊपर विश्वास जताया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र की भाजपा सरकार को जितनी भी बधाई दी जाए, उतनी कम है। उन्होंने कहा कि श्री देवेन्द्र फड़णवीस जी एवं श्री मनोहर लाल खट्टर जी के नेतृत्व में आने वाले पांच साल दोनों राज्यों में विकास और गति देने वाला कार्यकाल रहेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जो राजनीतिक पंडित आज महाराष्ट्र और हरियाणा विधान सभा चुनाव नतीजों का विश्लेषण कर रहे हैं, उनके लिए मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को मिला जनादेश अपने आप में एक अभूतपूर्व विजय है। ऐसा इसलिए क्योंकि आमतौर पर इन दिनों एक सरकार के पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद उसके दोबारा जीतने की घटनाएं बहुत कम हैं। एक सरकार आती है, अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करती है और फिर दूसरी सरकार चुन कर आती है। ऐसे समय में दोबारा विश्वास और आशीर्वाद प्राप्त कर पुनः सेवा का मौक़ा प्राप्त करना, यही बड़ी बात है।

श्री मोदी ने कहा कि गत 50 वर्षों में एक भी मुख्यमंत्री पूरे 5 साल महाराष्ट्र की सेवा नहीं कर पाया। 50 साल में पहली बार पांच साल

लगातार हमारे मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़णवीस जी को राज्य की सेवा करने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक राजधानी और दुनिया में देश के प्रभाव को बढ़ाने वाले राज्य में पॉलिटिकल स्टैबिलिटी काफी मायने रखती है लेकिन यहां कोई पार्टी एक मुख्यमंत्री लेकर चल नहीं पाई, लेकिन भाजपा-शिव सेना महायुति ने साथ मिलकर महाराष्ट्र को एक स्थिर सरकार देने का काम किया है। पिछली बार भी भाजपा-शिव सेना ने मिलकर सरकार बनाई और इस बार भी हमारे गठबंधन को महाराष्ट्र की जनता ने विजयी बनाया है।

देश की आर्थिक राजधानी और दुनिया में देश के प्रभाव को बढ़ाने वाले राज्य में पॉलिटिकल स्टैबिलिटी काफी मायने रखती है लेकिन यहां कोई पार्टी एक मुख्यमंत्री लेकर चल नहीं पाई, लेकिन भाजपा-शिव सेना महायुति ने साथ मिलकर महाराष्ट्र को एक स्थिर सरकार देने का काम किया है। पिछली बार भी भाजपा-शिव सेना ने मिलकर सरकार बनाई और इस बार भी हमारे गठबंधन को महाराष्ट्र की जनता ने विजयी बनाया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी पूरी तरह नया नेतृत्व है, लेकिन पूरे पांच साल भाजपा-शिव सेना ने प्रदेश में भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी एवं विकास के लिए कटिबद्ध सरकार दिया है।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे यहां ट्रेंड हर 5 साल में सरकार बदलने का है लेकिन जनता का हमें दोबारा सत्ता पर बिठाने का निर्णय पार्टी पर जनता के विश्वास को प्रकट करता है। मैं दोनों राज्यों की जनता को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपका प्यार पाने के लिए हम और मेहनत करेंगे। प्रदेश के विकास के लिए त्याग और तपस्या में कोई कमी नहीं करेंगे। आपके विश्वास को बनाए रखने के लिए भरसक कोशिश करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में जिन-जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं, वे सभी सरकारें केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अलग उत्साह और जोश के साथ मेहनत करती हैं जबकि जिन-जिन राज्यों में दूसरे दलों की सरकारें हैं, वहां उनका समय योजनाओं का नाम बदलने में ही चला जाता है। वे एक-दो साल तो यूं ही बर्बाद कर देते हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकारें इस पर तेज गति से कार्य करती हैं क्योंकि उनका एकमात्र उद्देश्य होता है विकास को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रति जनता का यह बढ़ता हुआ प्यार हमारी जिम्मेवारियों को भी बढ़ाता है। हम जनता के विश्वास पर खरे उतरने के लिए कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। ■

महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा ने 'सबका साथ, सबका विकास' के साथ सरकार चलाई: अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 24 अक्टूबर को महाराष्ट्र और हरियाणा के विधान सभा चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के अवसर पर पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के विशाल हुजूम को संबोधित किया और ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए महाराष्ट्र एवं हरियाणा की जनता को हार्दिक धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा की जनता के भारतीय जनता पार्टी के प्रति अपार प्यार, समर्थन एवं भाजपा पर पुनः विश्वास जताने के लिए उन्हें हृदय से बधाई और धन्यवाद देता हूं एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा सहित पूरे देश की जनता को दिवाली की अग्रिम शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने महाराष्ट्र एवं हरियाणा के मुख्यमंत्रियों श्री देवेन्द्र फड़णवीस एवं श्री मनोहर लाल खट्टर जी

के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं को भी इस भव्य विजय के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

श्री शाह ने कहा कि आज हम यहां महाराष्ट्र और हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की भव्य विजय के उपलक्ष्य में एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा-शिव सेना महायुति को जनता ने स्पष्ट बहुमत दिया है और हम लगातार दूसरी बार प्रदेश में सरकार बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भी भारतीय जनता ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

गत विधानसभा चुनाव के मुकाबले हरियाणा में इस बार भारतीय जनता पार्टी के वोट प्रतिशत में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई है और हम सबसे बड़े दल के रूप में स्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी सरकार बनने के बाद पहले दोनों चुनाव भाजपा जीत कर आगे बढ़ रही है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र में 2014 से पहले कभी हम मुख्यमंत्री नहीं बना पाए थे, लेकिन 2014 में देश की जनता ने परिवर्तन किया और श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत देकर एक लोक-कल्याणकारी सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त किया जिसका एकमात्र सिद्धांत 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' है। इसके बाद हमने पहली बार महाराष्ट्र और हरियाणा में सरकार का गठन किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में हमारी दोनों सरकारों ने 'सबका साथ, सबका विकास' को चरितार्थ करते हुए 5 साल काम किया।

भारतीय जनता पार्टी के दोनों मुख्यमंत्रियों श्री देवेन्द्र फड़णवीस एवं श्री मनोहर लाल खट्टर ने महाराष्ट्र एवं हरियाणा में 'जीरो करप्शन' वाली सरकार देने का काम किया। हमारे दोनों मुख्यमंत्रियों ने विकास की अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक पहुंच को सुनिश्चित किया। हमारी दोनों सरकारों ने पांच वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया और एक बार पुनः जनता ने उन्हें सेवा का अवसर देकर हमारे विकास कार्यों व नीतियों पर मुहर लगाई है।

श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के दोनों मुख्यमंत्रियों श्री देवेन्द्र फड़णवीस एवं श्री मनोहर लाल खट्टर ने महाराष्ट्र एवं हरियाणा में 'जीरो करप्शन' वाली सरकार देने का काम किया। हमारे दोनों मुख्यमंत्रियों ने विकास की अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक पहुंच को सुनिश्चित किया। हमारी दोनों सरकारों ने पांच वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया और एक बार पुनः जनता ने उन्हें सेवा का अवसर देकर हमारे विकास कार्यों व नीतियों पर मुहर लगाई है।

उन्होंने कहा कि पांच महीने पहले ही देश की जनता ने पहले से भी अधिक बहुमत से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को अपना आशीर्वाद दिया। इन पांच महीनों के अंदर ही मोदी 2.0 सरकार ने तेज गति और सटीकता के साथ विकास के कई सारे काम किये हैं। कांग्रेस की सरकारें जो काम पांच साल में नहीं कर पाई, उससे कहीं अधिक मोदी सरकार ने केवल पांच महीने में करके दिखा दिया है।

उन्होंने कहा कि इन पांच महीनों में ही हमने न केवल धारा 370 को ख़त्म कर आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करते हुए देश के नागरिकों के 70 साल के 'एक विधान, एक प्रधान और एक निशान' के सपने को साकार किया, बल्कि हम ट्रिपल तलाक के खिलाफ भी कानून लेकर आये।

पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि अभी कल ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं जिनसे देश की आम जनता को फायदा पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने दिल्ली में अवैध कॉलोनियों को नियमित करने का फैसला लिया गया है जिससे लगभग 40 लाख लोगों को राहत पहुंचेगी। इतना ही नहीं, मोदी सरकार ने रबी की फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने की भी मंजूरी दी है जिससे देश के करोड़ों किसानों को लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के इस निर्णय से किसानों को रबी फसलों के उत्पादन की औसत लागत के करीब डेढ़ गुने तक लाभ मिलेगा। यह 2022 तक किसानों की आय दोगुना कर उनके जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में भाजपा-शिव सेना महायुति की जीत पर ट्वीट करते हुए कहा कि भाजपा-शिवसेना गठबंधन में विश्वास प्रकट करने के लिए महाराष्ट्र की जनता का कोटि-कोटि अभिनंदन। मोदी जी के नेतृत्व में महाराष्ट्र सरकार निरंतर प्रदेश की प्रगति और जनता की सेवा के लिए समर्पित रहेगी। मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़णवीस, प्रदेश अध्यक्ष श्री चंद्रकांत पाटिल एवं सभी कार्यकर्ताओं को बधाई।

अगले ट्वीट में उन्होंने हरियाणा में पार्टी की जीत पर कहा कि गत पांच वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के केंद्रीय नेतृत्व में खट्टर सरकार ने हरियाणा की जनता के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किये। भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी बनाकर पुनः सेवा का मौका देने के लिए जनता का अभिनंदन करता हूं। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, प्रदेश अध्यक्ष श्री सुभाष बराला एवं सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई। ■

जेपी नड्डा ने महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की जीत के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को दी बधाई

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा ने 24 अक्टूबर को विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के लिए महाराष्ट्र और हरियाणा के पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। श्री जेपी नड्डा ने ट्विटर के जरिए जनता का फिर एक बार भाजपा सरकार में विश्वास रखने के लिए धन्यवाद दिया।

दोनों राज्यों में भाजपा की जीत पर बोलते हुए श्री जेपी नड्डा ने कहा, "दोनों राज्यों के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के निर्णायक नेतृत्व, विकासवादी नीतियों, भ्रष्टाचार-मुक्त सरकार और राज्य के सुशासन के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया है। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि हम दोनों राज्यों में विकास की गति को तेज करेंगे और प्रत्येक व्यक्ति की सेवा करेंगे।"

उन्होंने महाराष्ट्र के लोगों के बारे में बात करते हुए ट्वीट किया, "मैं भाजपा-शिवसेना गठबंधन में उनके विश्वास के लिए महाराष्ट्र के लोगों को नमन करता हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि प्रधानमंत्री मोदीजी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार राज्य की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।"

उन्होंने हरियाणा के लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि "पीएम मोदीजी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री खट्टरजी ने हरियाणा के विकास के लिए काम किया है। मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कार्यों में विश्वास प्रकट

करने के लिए मैं राज्य के लोगों का आभारी हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम हरियाणा के लोगों की सेवा और विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को बधाई।" ■

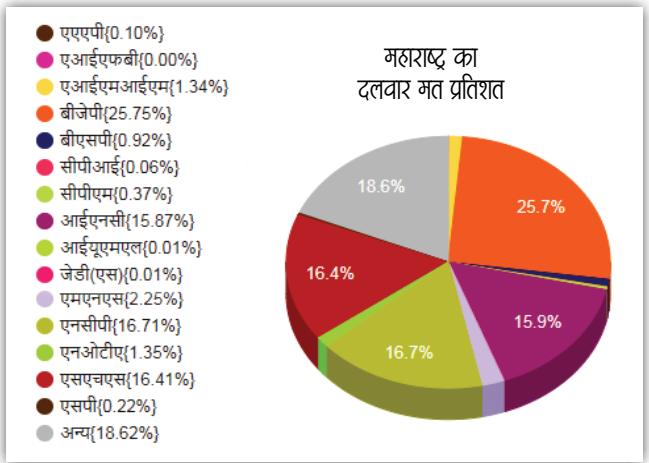

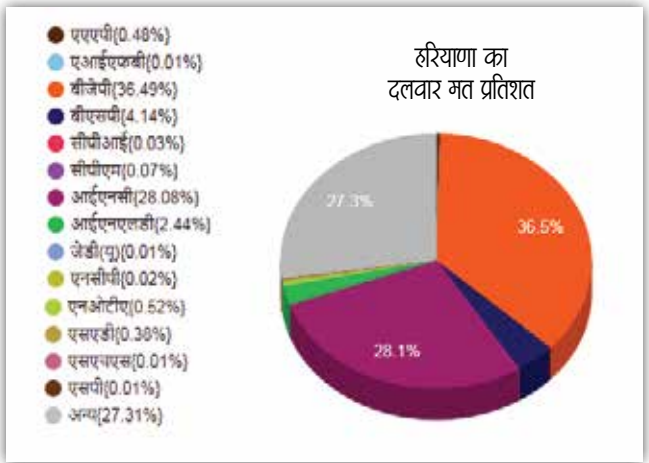

उपचुनाव: भाजपा को 17 सीटें मिलीं

18 राज्यों में 51 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में 24 अक्टूबर को आए नतीजों में भाजपा को 17 और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को 12 सीटों पर जीत हासिल हुई। उत्तर प्रदेश में राजग (एनडीए) ने आठ सीटों पर जीत दर्ज की। उप्र में कुल 11 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने सात और उसके सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) ने एक सीट जीती। भाजपा ने बलहा, गंगोह, मानिकपुर, घोसी, इगलास, लखनऊ कैंट और गोविन्दनगर सीटों पर जीत हासिल की, जबकि अपना दल (एस) ने प्रतापगढ़ सीट बरकरार रखी। सपा को रामपुर के अलावा अम्बेडकर नगर की जलालपुर और बाराबंकी की जैदपुर सीटों पर जीत हासिल हुई।

बिहार में सत्तारूढ़ जद (यू) को एक सीट पर जीत मिली। वहीं, राजद ने दो सीटें जीती। एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विजेता रहा। गुजरात में छह सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस–भाजपा को तीन–तीन सीटें मिली। राजस्थान की दो सीटों में एक सीट कांग्रेस तो एक पर भाजपा ने जीत दर्ज की। मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने एक सीट पर जीत हासिल की। पंजाब की चार में से तीन पर कांग्रेस और एक पर अकाली दल को विजय हासिल हुई। दक्षिण के राज्यों में सत्ताधारी दलों ने ही उपचुनावों में जीत हासिल की। उप चुनावों में कांग्रेस–

भाजपा के अलावा सपा को 3, जदयू–1, टीआरएस–1, राकांपा–1, एआईएमआईएम–1, अपना दल–1, आरएलपी–1, अन्नाद्रमुक–2, एआईयूडीएफ–1 मुस्लिम लीग–1, माकपा–2, बीजद–1, यूडीपी–1, सिक्किम क्रांति मोर्चा–1 और निर्दलीय को एक सीट मिली है। ■

जम्मू, कश्मीर, लेह और लद्दाख में शांतिपूर्ण बीडीसी चुनावों में विजयी उम्मीदवारों को प्रधानमंत्री ने दी बधाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संपूर्ण जम्मू, कश्मीर, लेह और लद्दाख में संपन्न बीडीसी चुनावों के विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि मुझे इस बात की भी प्रसन्नता है कि जम्मू, कश्मीर, लेह और लद्दाख में बीडीसी चुनाव बेहद शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्विट कर लिखा, 'एक समाचार जो हर भारतीय को गर्व महसूस करायेगा। साल 1947 के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर, लेह और लद्दाख में 24 अक्टूबर को ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल के चुनाव हुए। इस चुनाव में ऐतिहासिक रूप से 98 प्रतिशत लोगों ने वोट डाला। इस चुनाव में 310 ब्लॉक में 1080 उम्मीदवार खड़े थे।'

प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्विट में कहा 'मैं उन सभी को बधाई देता हूं जो जम्मू, कश्मीर, लेह और लद्दाख में बीडीसी चुनावों में विजयी हुए हैं। यह चुनाव क्षेत्र में एक नए और युवा नेतृत्व की शुरुआत को चिह्नित करता है, जो आने वाले समय में राष्ट्रीय प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।'

राज्य में धारा 370 हटाने और राज्य पुनर्गठन बिल पास होने के बाद यह पहला चुनाव है। इस चुनाव में कश्मीर क्षेत्र के 10 जिलों में 93.65 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। ऐसे ही जम्मू क्षेत्र के 10 जिलों में मतदान का आंकड़ा 99.4 प्रतिशत रहा। श्रीनगर में 100 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो घाटी में सबसे अधिक है जबकि शोपियां और पुलवामा जिलों में क्रमशः 85.3 और 86.2 प्रतिशत मतदान हुआ।

जम्मू क्षेत्र के रियासी में 99.7 प्रतिशत और जम्मू में 99.5 प्रतिशत मतदान हुआ। लद्दाख में 97.8 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इन चुनावों में सबसे अधिक उम्मीदवार उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले (101) में थे और सबसे कम 4 उम्मीदवार दक्षिण कश्मीर के शोपियां में थे। राज्य में शांतिपूर्ण ढंग से हुए इन चुनावों को सरकार की बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। ■

दिल्ली की 1797 अनधिकृत कॉलोनियों के निवासियों को मिलेगा मालिकाना हक

40 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को नियमित करने की 23 अक्टूबर को मंजूरी प्रदान करते हुये 1797 कालोनियों में रह रहे लाखों संपत्ति मालिकों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक देने का रास्ता साफ कर दिया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। बैठक के बाद आवास एवं शहरी मामलों के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभाव) श्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि केन्द्र सरकार के इस फैसले का लाभ दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों में रह रहे लगभग 40 लाख लोगों को मिलेगा, जिन्हें पिछले कई दशकों से संपत्ति का मालिकाना हक मिलने का इंतजार था।

श्री पुरी ने स्पष्ट किया कि इस फैसले के दायरे में सरकारी और निजी, दोनों श्रेणियों की जमीन पर बसी अनधिकृत कालोनियों को शामिल किया गया है, लेकिन दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की जमीन पर बने फार्म हाऊस, सैनिक फार्म, महरौली एंक्लेव और अनंत राम डेयरी इलाके में बने फार्म हाऊस इस फैसले के दायरे से बाहर होंगे।

श्री पुरी ने स्पष्ट किया कि नियमित होने वाली कालोनी में निर्मित संपत्ति के अलावा खाली प्लॉट को भी नियमित कराकर संपत्ति का मालिकाना हक दिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि इन कालोनियों में आम तौर पर निम्न आयवर्ग के लोग रहते हैं, इसलिये संपत्ति को नियमित करने के लिये मामूली शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके तहत सौ वर्ग मीटर से कम क्षेत्रफल वाले भूखंड को नियमित कराने का शुल्क उस क्षेत्र के सर्किल रेट का 0.5 प्रतिशत होगा। इसी प्रकार 100 से 250 वर्गमीटर तक क्षेत्रफल वाले भूखंड के लिये सर्किल रेट का एक प्रतिशत और 250 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले भूखंड को नियमित कराने का शुल्क सर्किल रेट का 2.5 प्रतिशत देना होगा।

इस शुल्क का भुगतान तीन समान किश्तों में एक साल के भीतर किया जा सकेगा। शुल्क का एकमुश्त भुगतान करने वालों को संपत्ति का मालिकाना हक तत्काल प्रभाव से मिल जायेगा। किश्तों में शुल्क देने वालों को अस्थायी मालिकाना हक दिया जायेगा, भुगतान पूरा होने पर स्वामित्व का स्थायी अधिकार मिलेगा।

नियमित की जाने वाली कालोनियों में दिल्ली के लगभग 175 वर्ग किमी क्षेत्र में बसी 1797 कालोनियों को चिन्हित किया गया है। इन कालोनियों के नियमित नहीं होने के कारण इनमें बिजली, पानी, सड़क और सीवर सहित अन्य मूलभूत नागरिक सुविधाओं की बहाली में दिल्ली सरकार और स्थानीय निकायों को कानूनी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा था।

श्री पुरी ने कहा कि इस फैसले के बाद अनधिकृत कालोनियों में भूखंड मालिकों को मकान बनवाने के लिये बैंक से ऋण भी मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि इस फैसले को कानूनी दर्जा देने के लिये सरकार संसद के आगामी सत्र में विधेयक पेश करेगी। मंत्रिमंडल ने अनधिकृत कालोनियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया निर्धारित करने वाले विधेयक के मसौदा प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान कर दी है।

उन्होंने बताया कि अनधिकृत कालोनियों के सीमांकन की जिम्मेदारी डीडीए को सौंपी गयी है। डीडीए प्रत्येक कालोनी का सीमांकन कर इनके नियमितीकरण की कार्ययोजना (लोकल एरिया प्लान) भी बनायेगा। श्री पुरी ने बताया कि नियमित करने की प्रक्रिया में विलंब शुल्क और अतिरिक्त विकास शुल्क नहीं वसूला जायेगा। ■

'आयुष्मान भारत' के तहत 50 लाख से अधिक लाभार्थी

विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना 'आयुष्मान भारत'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए प्रयासों की सराहना की, क्योंकि भारत ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 50 लाख से अधिक लोगों को लाभ प्रदान कर इस दिशा में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है।

उन्होंने 15 अक्टूबर को कहा, "एक स्वस्थ भारत बनाने की यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस पर प्रत्येक भारतीय को गर्व होगा कि एक वर्ष में ही आयुष्मान भारत की बदौलत 50 लाख से अधिक नागरिकों को मुफ्त इलाज का लाभ मिला है। इलाज के अलावा यह योजना कई भारतीयों को सशक्त भी बना रही है।"

ठीक एक वर्ष पहले 2018 में लॉन्च किया गया। आयुष्मान भारत विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है, जिसका उद्देश्य देश के 10.74 करोड़ से अधिक गरीब नागरिकों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करना है।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य (पीएम-जेएवाई) के तहत 16,085 अस्पतालों को सूचीबद्ध किया गया है और 10 करोड़ से अधिक लोगों को ई-कार्ड जारी किए गए हैं। आयुष्मान भारत के तहत देश भर में लगभग 17,150 स्वास्थ्य एवं वेलनेस केन्द्र कार्य करने लगे हैं। ■

बीएसएनएल, एमटीएनएल का होगा विलय

68,751 करोड़ रुपये के पुनरुद्धार पैकेज को मंजूरी

केंद्रीय सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों बीएसएनएल और एमटीएनएल के लिए 68,751 करोड़ रुपये के पुनरुद्धार पैकेज को 23 अक्टूबर को मंजूरी दी। इसमें एमटीएनएल का बीएसएनएल में विलय, कर्मचारियों के लिये स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) और 4 जी स्पेक्ट्रम आवंटन शामिल हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। दूरसंचार मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद ने पैकेज से जुड़ी जानकारियां साझा करते हुए कहा कि बीएसएनएल और एमटीएनएल के विलय को मंजूरी दे दी गई है। विलय प्रक्रिया पूरी होने तक एमटीएनएल प्रमुख दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल की अनुषंगी के रूप में काम करेगी।

पुनरुद्धार पैकेज में दोनों कंपनियों की तत्काल पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये के सरकारी बांड, 4 जी स्पेक्ट्रम के लिए 20,140 करोड़ रुपये, कर्मचारियों की वीआरएस के लिए 29,937 करोड़ रुपये और जीएसटी के तौर पर 3,674 करोड़ रुपये की राशि दिया जाना शामिल है।

कर्मचारियों की सेवानिवृति के तौर पर दी जाने वाली राशि में कंपनी के 50 प्रतिशत कर्मचारी शामिल हो सकते हैं। दूरसंचार कंपनी को दिये जाने वाले स्पेक्ट्रम आवंटन पर माल एवं सेवाकर के रूप में दी जाने वाली 3,674 करोड़ रुपये की राशि भी पैकेज में शामिल की गई है।

श्री प्रसाद ने कहा, "बीएसएनएल और एमटीएनएल के मामले में सरकार का रुख स्पष्ट है। ये भारत की सामरिक संपत्तियां हैं। सेना के पूरे नेटवर्क का रखरखाव बीएसएनएल द्वारा किया जाता है।" उन्होंने कहा, "वीआरएस पैकेज के तहत पात्र कर्मचारियों को 60 वर्ष की आयु तक कंपनी की सेवा करके अर्जित होने वाली आय का 125 प्रतिशत मिलेगा। इस फैसले के साथ हमने इन सार्वजनिक कंपनियों के लाखों कर्मचारियों के हित का ध्यान रखा है।" बीएसएनएल में करीब 1.68 लाख कर्मचारी हैं, जबकि एमटीएनएल के करीब 22,000 कर्मचारी हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "वीआरएस पूरी तरह से स्वैच्छिक है; कोई भी इसे अपनाने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है।" दोनों कंपनियों पर कुल 40,000 करोड़ रुपये का कर्ज है, जिसमें से आधा कर्ज एमटीएनएल का है, जो सिर्फ दिल्ली और मुंबई में परिचालन करती है।

दोनों कंपनियां बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए लंबे समय से स्पेक्ट्रम की मांग कर रही थी ताकि 4 जी सेवा शुरू की जा सके। दूरसंचार सचिव ने कहा कि दोनों कंपनियों को एक महीने के अंदर प्रशासनिक स्तर पर स्पेक्ट्रम आवंटित कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बीएसएनएल को इक्विटी शेयर के बदले 14,115 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम आवंटन होगा और एमटीएनएल को तरजीही शेयरों के एवज में 6,295 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम आवंटन किया जाएगा।

सरकार तीन साल की अवधि में बीएसएनएल और एमटीएनएल की 37,500 करोड़ रुपये की संपत्ति का मौद्रीकरण करते हुये उसकी बिक्री करेगी या फिर पट्टे पर देगी।

उन्होंने कहा, "परिसंपत्ति में मुख्य रूप से जमीन शामिल हैं। अकेले दिल्ली में एमटीएनएल के पास करीब 29 खुदरा आउटलेट (केंद्र) हैं।" सचिव ने कहा कि बीएसएनएल को चरणबद्ध तरीके से 4 जी सेवा शुरू करने के लिए करीब 10,000 करोड़ रुपये की जरूरत होगी, जबकि एमटीएनएल को करीब 1,100 करोड़ रुपये की जरूरत होगी।

सरकार ने वीआरएस पैकेज में अनुग्रह राशि के तौर पर 17,169 करोड़ रुपये और अग्रिम पेंशन लाभ के तौर पर 12,768 करोड़ रुपये की मंजूरी दी।

उन्होंने कहा कि 53.5 साल की उम्र से ऊपर के कमर्चारियों को उनकी सेवा की शेष अवधि में अर्जित वेतन का 125 प्रतिशत तक लाभ मिलेगा। कंपनी के 50 से 53.5 वर्ष की आयु वर्ग के कर्मचारी यदि वीआरएस अपनाते हैं तो उन्हें अपनी बची सेवा मे मिलने वाली प्राप्ति का 80 से 100 प्रतिशत के दायरे में लाभ मिलेगा। ■

पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर से आए 5300 कश्मीरी परिवारों को मिलेंगे 5.5 लाख रुपये

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से विस्थापित होकर भारत के कई राज्यों में आ बसे 5300 परिवारों को दिवाली का तोहफा दिया। अब इन परिवारों को केंद्र की ओर से साढ़े 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

दरअसल, मंत्रिमंडल ने जम्मू-कश्मीर से 1947 में विस्थापित उन 5300 परिवारों को शामिल करने की मंजूरी दी जिन्होंने शुरू में जम्मू-कश्मीर राज्य से बाहर जाने का विकल्प चुना था, लेकिन बाद में वे जम्मू-कश्मीर के लिए प्रधानमंत्री के विकास पैकेज 2015 के अंतर्गत पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर और छम्ब के विस्थापित परिवारों के लिए मंत्रिमंडल द्वारा 30.11.2016 को मंजूर पुनर्वास पैकेज में वापस लौटकर जम्मू-कश्मीर राज्य में बस गए।

लाभ : मंजूरी मिल जाने से ऐसे विस्थापित परिवार वर्तमान योजना के अंतर्गत 5.5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के हकदार हो जाएंगे और बदले में उन्हें लगातार कुछ आमदनी हो सकेगी, जिसका वर्तमान योजना में लक्ष्य रखा गया है। यहां यह बता देना जरूरी है कि जम्मू-कश्मीर में 1947 के पाकिस्तानी आक्रमण के मद्देनजर 31,619 परिवार जम्मू-कश्मीर के पाक-अधिकृत क्षेत्रों (पीओजेके) से पलायन करके जम्मू-कश्मीर राज्य में चले गए थे। इनमें से 26,319 परिवार जम्मू-कश्मीर राज्य में बस गए और 5300 परिवारों ने आरंभ में जम्मू-कश्मीर राज्य से बाहर निकलकर देश के अन्य भागों में जाने का विकल्प चुना था। भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान छम्ब नियाबत क्षेत्र से 10,065 और परिवार विस्थापित हो गए। इनमें से 1965 युद्ध के दौरान 3500 परिवार और 1971 के युद्ध के दौरान 6565 परिवार विस्थापित हुए।

मंत्रिमंडल द्वारा 30.11.2016 को मंजूर पैकेज के अंतर्गत 36,384 विस्थापित परिवारों को शामिल किया गया, जिनमें पाक-अधिकृत जम्मू-कश्मीर से 26,319 विस्थापित परिवार और छम्ब नियाबत इलाके से विस्थापित 10,065 परिवार जम्मू-कश्मीर में बस गए।

पाक-अधिकृत जम्मू-कश्मीर के 5300 विस्थापित परिवार जिन्होंने आरंभ में जम्मू-कश्मीर राज्य से देश के अन्य भागों में जाने का विकल्प चुना था, उन्हें मंजूर पैकेज में शामिल नहीं किया गया। अब इन 5300 परिवारों में से वे विस्थापित परिवार जिन्होंने आरंभ में राज्य से बाहर जाने का विकल्प चुना था, लेकिन बाद में वे जम्मू-कश्मीर लौट आए और वहां पर बस गए, उन्हें पैकेज में शामिल किया जा रहा है। 1947 में पाक-अधिकृत जम्मू-कश्मीर के 5300 विस्थापित परिवार में से उन विस्थापित परिवारों को शामिल करना जो वर्तमान योजना में जम्मू-कश्मीर राज्य में लौटकर बस गए, जिन्होंने युद्ध के कारण परेशानी झेली, वह पर्याप्त मासिक आमदनी अर्जित कर सकेंगे और आर्थिक क्रियाकलापों का हिस्सा बन सकेंगे।

इससे विस्थापित परिवारों की वित्तीय सहायता की जरूरत से प्रभावी तरीके से निपटने की सरकार की क्षमता बढ़ेगी। धनराशि की जरूरत को वर्तमान योजना के लिए पहले से ही मंजूर धनराशि से पूरा किया जाएगा। ■

भारत की विश्व बैंक कारोबार सुगमता सूची में 14 स्थान की छलांग, विश्व में 63वां रैंक

विश्व बैंक की कारोबार सुगमता सूची में भारत ने 14 स्थान की छलांग लगायी है और अब वह दुनिया का 63वां ऐसा देश है जहां कारोबार करना सुगम है। विश्व बैंक ने यह सूची 24 अक्टूबर को जारी की।

भारत उन शीर्ष दस देशों में शामिल है जिन्होंने इस सूची में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है। यह तीसरी दफा है जब भारत सबसे शानदार प्रदर्शन करने वाले देशों में शीर्ष दस में शामिल रहा है। इसकी प्रमुख वजह दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता को कुशल और सफल तरीके से लागू करना है। इससे पिछली सूची में 190 देशों में भारत 77वें स्थान पर था।

कारोबार सुगमता सूची में न्यूजीलैंड शीर्ष पर बना हुआ है। इसके बाद क्रमशः सिंगापुर, हांगकांग का स्थान है। दक्षिण कोरिया सूची में पांचवे और अमेरिका छठे स्थान पर है।

कारोबार सुगमता सूची-2020 में विश्व बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए सरकार द्वारा किए गए सुधार प्रयासों की सराहना की है।

विश्व बैंक में विकास अर्थशास्त्र के निदेशक सिमोन जानकोव ने कहा, ''यह लगातार तीसरा साल है जब भारत 'कारोबार सुगमता' की दिशा में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले शीर्ष दस देशों में शामिल रहा है। पिछले 20 साल में ऐसा करने में कुछ देश ही सफल रहे हैं। अविश्वसनीय रूप से ऐसा करने वाले अन्य देश जनसंख्या और आकार इत्यादि के मामले में बेहद छोटे (भारत के मुकाबले) हैं।" उन्होंने कहा कि भारत ऐसा पहला देश है जिसने ऐसा कीर्तिमान हासिल किया है। इस साल उसकी रैंकिंग में 14 स्थान का सुधार हुआ है। ■

समाजवाद और लोकतंत्र

दीनदयाल उपाध्याय

यद्यपि भारत में समाजवादी विचार और समाजवादी पार्टियां उस समय से ही विद्यमान हैं, जब से यूरोपीय विचारों ने यहां के शिक्षित लोगों को प्रभावित करना आरंभ किया, तथापि सैद्धांतिक रूप में समाजवाद यहां के निवासियों के राजनीतिक या सामाजिक जीवन में अपना कोई विशेष स्थान नहीं बना सका। परंतु कांग्रेस के आवडी अधिवेशन के पश्चात् जिसमें कांग्रेस ने समाजवादी समाज रचना को अपना अंतिम लक्ष्य घोषित किया, स्थिति बदल गई। जहां तक जनसाधारण का प्रश्न है, वह आज भी उससे उतनी ही दूर है। कांग्रेस द्वारा समाजवाद के लक्ष्य को अपनाए जाने के बाद भी यह जनता का हृदय स्पर्श नहीं कर पाई है। जनता उसके प्रति उत्साहित नहीं है। परंतु ऐसा समझा जाने लगा है कि सरकार की नीतियां उसी के अनुरूप ढलती जा रही हैं और इस कारण जो सरकारी निर्णयों को प्रभावित करने का विचार करते हैं, उन्हें अवश्य चिंता हो गई है। आज इस विचारधारा के अनुयायियों की संख्या के अनुपात में इसे कहीं अधिक महत्त्व प्राप्त हो गया है। साथ ही प्रधानमंत्री की लोकप्रियता और सम्मान के कारण कुछ समय के लिए तो ऐसा लगने लगा है, मानो समाजवाद यहां की जनता का सर्वप्रिय जीवन दर्शन हो गया हो। आज अपने आप को समाजवादी कहना एक फ़ैशन सा लगता है। समय के प्रवाह में बहने वाली राजनीतिक पार्टियों में तो इस बात की होड़ सी लगी है कि उनमें से कौन अपने को समाजवाद का बड़ा पुरस्कर्ता सिद्ध कर सकता है। हिंदू महासभा भी हिंदू समाजवाद की बातें करने लगी है। वैदिक विचारकों ने भी पुराना साहित्य कुरेदकर 'वैदिक समाजवाद' की नई खोज कर डाली है।

समाजवाद के विभिन्न स्वरूप

इस देश में कांग्रेस समाजवाद का नारा बुलंद करनेवाली प्रथम पार्टी नहीं है। कांग्रेस द्वारा समाजवाद स्वीकार किए जाने के पूर्व भी यहां समाजवादी पार्टियां थीं और आज भी हैं। विभिन्न समाजवादी पार्टियों के असंतुष्ट लोग भी अपने को समाजवादी ही कहते हैं। इतना ही नहीं, उनका तो दावा यह होता है कि वे जिस समाजवाद को मानते हैं, वही अधिक शुद्ध है। इस स्थिति ने समाजवाद के बारे में और अधिक भ्रम बढ़ा दिया है। यूरोप में वैसे भी समाजवाद के अनेक प्रकार विद्यमान हैं। रूजवेल्ट, हिटलर, मुसोलिनी और स्टालिन सभी अपने आपको समाजवादी कहते थे।

ऐसे भी लोगों की कमी नहीं, जिन्होंने स्वयं प्रत्यक्ष राजनीति से दूर रहने के बाद भी अनेक प्रकार के समाजवादी सिद्धांतों की रचना कर डाली है। भारत में इन सभी प्रकार के समाजवादी पंथों के अनुयायी विद्यमान हैं। कुछ इस प्रकार के भी प्रयास यहां होते रहे हैं, जिनमें यूरोपीय समाजवाद को भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक जीवन के अनुरूप ढालकर स्वीकार करने का आग्रह रहा है।

बाबू जयप्रकाश नारायण आज भी समाजवादी बने हुए हैं। एम.एन. राय ने अपने जीवन के अंतिम काल में समाजवाद का पूर्णतः त्याग कर दिया था तथापि मृत्यु के समय भी वे रेडिकल सोशलिस्ट ही कहलाए। उन राजनीतिज्ञों के साथ-साथ जो बिना समझे-बूझे किसी भी समय कोई भी बात कह सकते हैं, अन्य सिद्धांतवादी और राजनीतिज्ञों ने भी इस समाजवाद के बारे में ऐसी धारणाएं पैदा कर दी हैं कि लोग यही नहीं समझ पाते कि वे हैं कहां पर।

प्रेरणा का मूल स्रोत

एक बार ऐसा व्यंग्य किया गया था कि समाजवाद कोई जीवन-दर्शन नहीं अपितु एक अटपटी वृत्ति मात्र है। यदि हम समाजवादियों के विचारों का विश्लेषण करें तो बहुत अंशों तक यह उक्ति सही प्रतीत होगी। सभी समाजवादियों की यह एक सर्वमान्य अभिलाषा है कि साधारण मनुष्य का जीवन-स्तर उठया जाए। वे उन लोगों के विरुद्ध, जिन्हें वे कामचोर मानते हैं या मजदूरों के उचित लाभांशों की प्राप्ति में बाधक समझते हैं, मेहनतकश मज़दूरों का पक्ष ग्रहण कर लेते हैं। हमें शायद यह जानकर आश्चर्य होगा कि स्वामी विवेकानंदजी भी अपने आपको समाजवादी कहते थे और अपनी मान्यताओं की पुष्टि में बहुत कुछ इसी प्रकार के तर्क भी देते थे। एक भाषण में उन्होंने कहा भी था कि 'मैं भी एक समाजवादी हूं।' इसलिए नहीं कि समाजवाद कोई पूर्ण दर्शन है, अपितु : इसलिए कि मैं समझता हूं कि भूखे रहने की अपेक्षा एक कौर मात्र प्राप्त करना भी अच्छा है। सुख-दुःख का पुनर्विभाजन सचमुच ही उस स्थिति से अधिक श्रेयस्कर होगा, जिसमें निश्चित व्यक्ति ही सुख या दुःख के भागी होते हैं। इस कष्टपूर्ण संसार में प्रत्येक को अच्छा दिन देखने का अवसर मिलना ही चाहिए। बुभुक्षितों के प्रति हार्दिक सहानुभूति और समाज में उन्हें समान स्तर और सम्मानपूर्ण स्थान प्राप्त करा देने की यह इच्छा आज भी प्रत्येक समाजवादी को प्रेरणा देती है।

उनकी सदिच्छा सराहनीय है। इस दुःख और कष्टों से परिपूर्ण विश्व में असमानता, अन्याय, दुःख, कष्ट, उत्पीड़न, प्रताड़न,

दासत्व, शोषण, क्षुधा और अभाव को देखकर कोई भी व्यक्ति जिसे मानवीय अंतःकरण प्राप्त है, समाजवादी वृत्ति अपनाए बिना नहीं रह सकता। परंतु समाजवाद यहीं तक सीमित नहीं है। यह ठीक है कि वह इस दुःखपूर्ण स्थिति का अंत चाहता है। उसने स्थिति का विश्लेषण किया है, रोग का निदान किया है और उसके लिए औषधि की योजना भी की है। यहां पर उन्हें मार्क्स का शिष्यत्व स्वीकार करना पड़ता है। उसने अपने समकालीन समाजवादी विचारों को एकत्र कर एक ऐसी विस्तृत विचार-सरणी प्रस्तुत की, जो आगे आनेवाली पीढ़ियों को भी आकर्षित करने की क्षमता रखती थी। मार्क्स से विचार भिन्नता रखने वाले समाजवादी भी उसके अकाट्य तर्कों का खंडन नहीं कर पाते थे। उसने एक करणीय योजना प्रस्तुत की और बोल्शेविकों ने उस स्वप्न को साकार करने के लिए सफलतापूर्वक रूस की सत्ता पर अधिकार कर लिया। बोल्शेविक क्रांति से लेकर आज तक का रूस का इतिहास विभिन्न क्षेत्रों में अनेक सफलताओं के बावजूद इस पद्धति की अपूर्णता का ही द्योतक रहा है।

लोकतंत्र पर हमला

समाजवाद का पहला हमला हुआ लोकतंत्र पर। लौह आवरण के पीछे रहनेवालों को छोड़कर समस्त विश्व के समाजवादी विचारक आतंकित हो उठे। उन्हें लोकतंत्र में आस्था थी। सच पूछा जाए तो लोकतांत्रिक आदर्शों के कारण ही उन्हें जनसाधारण के प्रति सहानुभूति थी और वे उससे छुटकारे की बात करते थे। लोकतंत्र ने ही उन्हें राजनीतिक समानता प्रदान की थी। पर वैज्ञानिक अन्वेषणों और यंत्रीकृत उत्पादन पद्धति ने उन्हें आर्थिक विषमता के गड्ढे में ढकेल दिया। परिणामतः ऐसी राजनीतिक परिस्थिति में समानता का कोई महत्त्व न रहा। मार्क्स ने वर्गविहीन समाज का नारा लगाया। अंतरिम अवधि तक मजदूरों के अधिनायकवाद की बात कही गई। इसमें संदेह की पूरी गंजाइश थी। लोगों को एक संदिग्ध वस्तु की प्राप्ति के लिए उस चीज़ (राजनीतिक समानता) का त्याग करने को कहा गया, जो उन्हें पहले से ही प्राप्त थी। उन्हें इस बात की किंचित् भी कल्पना नहीं थी कि समाजवाद उन्हें पहले से ही प्राप्त वस्तु भी छीन लेगा। वे तो पहले से ही अभावग्रस्त थे। समाजवाद के द्वारा उन्हें कुछ प्राप्त होना चाहिए था, न कि उनके पास का ही छीना जाना।

किंतु कुछ देने के पूर्व ही समाजवाद ने उनकी व्यक्तिगत स्वाधीनता और राजनीतिक समानता का अपहरण कर लिया। 28 अप्रैल, सन् 1919 में ही प्रिंस क्रोपाटकिन' ने पश्चिमी यूरोप के मज़दूरों के नाम एक पत्र में लिखा

"I owe it to you to say frankly that according to my view, this effort to build a communist republic on the basis of a strongly centralised state, communism under the iron law of party dictatorship is bound to end in failure. We are learing to know in Russia how not to introduce communism. As long as the country is governed by a party dictatorship, the worker and peasants lose their entire significance. It (U.S.S.R.) develops a bureaucracy so formidable, that French bureaucracy which requires the help of forty officials to sell a tree, broken down by a storm on the national high way is a mere begalle in comparision.

(मैं आपको स्पष्ट रूप से यह बताना अपना दायित्व समझता हूं कि मेरे विचार से सुदृढ केंद्रित शासन व्यवस्था के आधार पर, दलीय तानाशाही के फ़ौलादी शिकंजे के नीचे, साम्यवादी गणतंत्र निर्माण करने का प्रयास असफलता के रूप में ही सामने आएगा। रूस से हम इस बात को सीख रहे हैं कि साम्यवाद को प्रवेश करने से कैसे रोका जाए। जब तक देश में दलीय तानाशाही का शासन क़ायम है, तब तक किसान और मज़दूर परिषद् अपना महत्त्वपूर्ण स्थान नहीं बना सकतीं, वे अपना समस्त वैशिष्ट्य ही खो बैठेंगी। रूसी गणराज्य आज एक ऐसी अभेद्य नौकरशाही को जन्म दे रहा है, जिसके सम्मुख वह फ्रांस की नौकरशाही भी मात खा जाएगी, जिसमें कहीं रास्ते में आंधी से गिरे हुए पेड़ को बेचने के लिए भी चालीस सरकारी अधिकारियों की आवश्यकता पड़ती है।)

सह-अस्तित्व असंभव

यूरोपीय समाजवादियों के नए प्रयासों ने उस तत्त्व को जन्म दिया, जिसे आज जनतांत्रिक समाजवाद का नाम दिया गया है। वे कम्युनिस्टों से मतभिन्नता रखते हुए यह प्रतिपादित करते रहे कि समाजवाद का प्रादुर्भाव जनतांत्रिक ढंग से होना चाहिए। वे एक साथ समाजवाद और जनतंत्र दोनों की आराधना करना चाहते हैं। पर मूल प्रश्न तो यह है कि क्या समाजवाद और जनतंत्र एक साथ पनप भी सकते हैं। सिद्धांतवादी इस प्रश्न पर आशान्वित हैं। पर प्रगतिवादी इस पर विश्वास नहीं करते। समाजवाद इस बात का हामी है कि उत्पादन के समस्त स्रोत राज्य के अधीन होने चाहिए। चूंकि समाजवादी यह समझते हैं कि समाज का राजनीतिक, बौद्धिक और सामाजिक जीवन उसके उत्पादन के स्रोतों के द्वारा ही ढलता है, अतः समाजवादी व्यवस्था में राज्य का, आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ राजनीतिक एवं अन्य क्षेत्रों में भी पूर्ण वर्चस्व रहना आवश्यक है। इससे एक ऐसी स्थिति पैदा होगी, जब उन लोगों के विरुद्ध जो शासन में हैं, लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रभावपूर्ण ढंग से प्रयोग करना संभव नहीं होगा। समाजवादी बंदूक की गोली का पहला शिकार निश्चित रूप से कोई लोकतंत्रवादी ही होगा। समाजवाद और लोकतंत्र दोनों साथ-साथ नहीं चल सकते, शेर-बकरी का एक ही घाट पर पानी पी सकना असंभव है। ■

- यह लेख राष्ट्र जीवन की समस्याएं (1960) व राष्ट्र चिंतन (1962) में पुनः प्रकाशित हुआ है।
-पाञ्चजन्य, जनवरी २, 1961

आचार्य विनोबा भावे

(11 सितंबर 1895 - 15 नवम्बर 1982)

शत-शत नमन!

श्री विनोबा भावे एक महान् समाज सुधारक, लेखक एवं 'भूदान यज्ञ' आन्दोलन के संस्थापक थे। वे विद्वान एवं विचारशील व्यक्ति थे। उन्होंने वेद, वेदांत, गीता, रामायण, क़ुरआन, बाइबिल आदि अनेक धार्मिक ग्रंथों का गंभीर अध्ययन-मनन किया।

विनोबा भावे का जन्म 11 सितंबर, 1895 को गाहोदे, गुजरात में हुआ था। विनोबा भावे का मूल नाम विनायक नरहरि भावे था। एक कुलीन ब्राह्मण परिवार में जन्मे विनोबा ने 'गांधी आश्रम' में शामिल होने के लिए 1916 में हाई स्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। गांधी जी के उपदेशों ने भावे को भारतीय ग्रामीण जीवन के सुधार के लिए एक तपस्वी के रूप में जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित किया।

विनायक की बुद्धि अत्यंत प्रखर थी। हाई स्कूल परीक्षा में गणित में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए। बड़ौदा में ग्रेजुएशन करने के दौरान ही विनायक का मन वैरागी बनने के लिए अति आतुर हो उठा। 1916 में मात्र 21 वर्ष की आयु में गृहत्याग कर दिया और काशी नगरी में वैदिक पंडितों के सान्निध्य में शास्त्रों के अध्ययन में जुट गए।

बहुआयामी व्यक्तित्व

अत्यंत कुशाग्र बुद्धि के विनोबा जल्द ही हाफ़िज़-ए-क़ुरआन बन गए। मराठी, संस्कृत, हिंदी, गुजराती, बंगला, अंग्रेज़ी, फ्रेंच भाषाओं में तो वह पहले ही पारंगत हो चुके थे। विभिन्न भाषाओं के तकरीबन पचास हजार पद्य विनोबा को कंठस्थ थे। समस्त अर्जित ज्ञान को अपनी ज़िंदगी में लागू करने का उन्होंने अप्रतिम एवं अथक प्रयास किया।

विनोबा भावे एक महान् विचारक, लेखक और विद्वान थे। वे एक बहुभाषी व्यक्ति थे। वह एक उत्कृष्ट वक्ता और समाज सुधारक भी थे। विनोबा भावे ने गीता, क़ुरआन, बाइबल जैसे धर्म ग्रंथों के अनुवाद के साथ ही इन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वे भागवत गीता से बहुत ज्यादा प्रभावित थे। वे कहते थे कि गीता उनके जीवन की हर एक सांस में है। उन्होंने गीता को मराठी भाषा में अनुवादित भी किया।

भूदान आन्दोलन

'भूदान आंदोलन' का विचार 1951 में जन्मा, जब वे आन्ध्र प्रदेश के गांवों में भ्रमण कर रहे थे। उन्होंने भूमिहीन लोगों के लिए ज़मीन मुहैया कराने एक ज़मींदार ने एक एकड़ ज़मीन देने का प्रस्ताव किया। इसके बाद वह गांव-गांव घूमकर भूमिहीन लोगों के लिए भूमि का दान करने की अपील करने लगे इस दान को गांधीजी के अहिंसा के सिद्धान्त से संबंधित कार्य बताया। आचार्य भावे ने लोगों को 'ग्रामदान' के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें ग्रामीण लोग अपनी भूमि को एक साथ मिलाकर सहकारी प्रणाली के अंतर्गत पुनर्गठित करते। आपके भूदान आन्दोलन से प्रेरित होकर हरदोई जनपद के सर्वोदय आश्रम टडियांवा द्वारा उत्तर प्रदेश के 25 जनपदों में श्री रमेश भाई के नेतृत्व में ऊसर भूमि सुधार कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया गया। भावे ने 1975 में पूरे वर्ष भर मौन व्रत रखा। 1979 के एक आमरण अनशन के परिणामस्वरूप सरकार ने समूचे भारत में गो-हत्या पर निषेध लगाने हेतु क़ानून पारित करने का आश्वासन दिया। विनोबा भावे का जीवन-दर्शन 'भूदान यज्ञ' (1953) नामक एक पुस्तक में संगृहीत एवं प्रकाशित किया गया है।

विनोबा को 1958 में रमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारत सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से 1983 में मरणोपरांत सम्मानित किया।

वृद्धावस्था में विनोबा जी ने अन्न-जल त्याग दिया। आचार्य विनोबा ने कहा कि 'मृत्यु का दिवस विषाद का दिवस नहीं अपितु उत्सव का दिवस' है। अन्न जल त्यागने के कारण एक सप्ताह के अन्दर ही 15 नवम्बर 1982, वर्धा, महाराष्ट्र में उन्होंने अपने प्राण त्याग दिये। ■

आचार्य विनोबा भावे के विचार

- जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती।
- ऐसे देश को छोड़ देना चाहिए जहां न आदर है, न जीविका, न मित्र, न परिवार और न ही ज्ञान की आशा।
- स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है।
- विचारकों को जो चीज़ आज स्पष्ट दिखती है, दुनिया उस पर कल अमल करती है।
- केवल अंग्रेज़ी सीखने में जितना श्रम करना पड़ता है उतने श्रम में भारत की सभी भाषाएं सीखी जा सकती हैं।
- कलियुग में रहना है या सतयुग में यह तुम स्वयं चुनो, तुम्हारा युग तुम्हारे पास है।

मोदी की गांधी के साथ वाले चित्र की सबसे ऊंची बोली

ई-नीलामी से हुई आमदनी 'नमामि गंगे' मिशन के लिए दान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मिले उपहारों की प्रदर्शनी सह ई-नीलामी का 25 अक्टूबर को समापन हो गया, जिसमें महात्मा गांधी के साथ बनाए गए मोदी के चित्र पर सबसे अधिक 25 लाख रुपये की बोली लगी। केंद्र सरकार की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। ई-नीलामी से हुई आमदनी 'नमामि गंगे' मिशन के लिए दान की जाएगी।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मिले कुल 2,772 उपहारों का बिक्री के लिए 14 सितंबर से इस ई-नीलामी का आयोजन किया था। नयी दिल्ली के राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय में इन उपहारों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। इन उपहारों में चित्र, मूर्तियां, शॉल, जैकेट और पारंपरिक वाद्य यंत्र समेत कई तरह की वस्तुएं एवं स्मृति चिह्न शामिल थे।

शुरुआत में यह ई-नीलामी तीन अक्टूबर तक चलनी थी। हालांकि बाद में यह अवधि अगले तीन हफ्ते तक बढ़ाने का फैसला किया गया। समापन वाले दिन तक ई-नीलामी के लिए रखी गईं सभी वस्तुएं बिक चुकीं थीं। नामी हस्तियों, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने इस नीलामी में दिलचस्पी दिखाई थी।

प्रदर्शनी में रखी गई भेंटों में सबसे कम शुरुआती कीमत 500 रुपये भगवान गणेश और कमल के फूल के आकार में बने लकड़ी के एक बक्से जैसी वस्तुओं के लिए रखी गई थी। वहीं, सबसे अधिक शुरुआती कीमत ढाई लाख रुपये, एक्रलिक रंग से बने एक चित्र के लिए तय की गई थी, जिसमें तिरंगे की पृष्ठभूमि में महात्मा गांधी के साथ प्रधानमंत्री की तस्वीर उकेरी गई थी। यह चित्र अंत में 25 लाख रुपये में बिका।

प्रधानमंत्री की अपनी मां से आशीर्वाद लेते हुए एक तस्वीर के लिए 20 लाख रुपये बोली लगाई गई। वहीं नीलामी में बिकी अन्य लोकप्रिय वस्तुओं में मणिपुरी लोक कृतियां (10 लाख रुपये), बछड़े को दूध पिलाती गाय की धातु से बनी मूर्ति (10 लाख रुपये) और स्वामी विवेकानंद की धातु से बनी 14 सेंटीमीटर की मूर्ति (छह लाख रुपये) शामिल थीं। ■

ओडिशा में 1,25,000 छोटे किसानों को जलवायु परिवर्तन रोधी कृषि में मदद के लिए विश्व बैंक की नई परियोजना

भारत सरकार, ओडिशा सरकार और विश्व बैंक ने छोटे किसानों की उत्पादन प्रणालियों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने के लिए उनकी उपज में विविधता लाने तथा बेहतर ढंग से विपणन (मार्केटिंग) में उनकी मदद करने के लिए 24 अक्टूबर को 165 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किये।

जलवायु परिवर्तन रोधी कृषि के लिए ओडिशा एकीकृत सिंचाई परियोजना को उन ग्रामीण क्षेत्रों में लागू किया जाएगा जहां बार-बार सूखा पड़ने का खतरा रहता है और जो काफी हद तक वर्षा आधारित कृषि पर ही निर्भर रहते हैं। इससे ओडिशा के 15 जिलों के लगभग 1,25,000 छोटे किसान परिवार लाभान्वित होंगे जो 1,28,000 हेक्टेयर कृषि भूमि का प्रबंधन करते हैं।

यह परियोजना जलवायु परिवर्तन रोधी बीजों की विभिन्न किस्मों तथा उत्पादन तकनीकों तक छोटे किसानों की पहुंच बढ़ाकर, जलवायु परिवर्तन रोधी फसलों की ओर उन्हें उन्मुख कर तथा बेहतर जल प्रबंधन एवं सिंचाई परियोजनाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित कर प्रतिकूल जलवायु से निपटने में उन्हें सक्षम बनाएगी।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में अपर सचिव ने कहा, 'भारत सरकार जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना के तहत अनेक मिशन कार्यान्वित कर रही है जिनके तहत जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्षम बेहतरीन कृषि प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों को भी अपनाया जाता है।'

उन्होंने कहा, 'वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के तहत टिकाऊ कृषि संबंधी लक्ष्यों की प्राप्ति की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप सरकार से समर्थन प्राप्त इस तरह की कई पहलों में ओडिशा की परियोजना भी शामिल है।'

हाल के वर्षों में जलवायु में व्यापक परिवर्तन ने ओडिशा में कृषि को बुरी तरह प्रभावित किया है। ओडिशा में ज्यादातर किसान ऐसे हैं जिनके पास दो हेक्टेयर से भी कम भूमि है। यही नहीं, ओडिशा में ज्यादातर कृषि क्षेत्रों पर खराब मौसम की मार अक्सर पड़ती रहती है। वर्ष 2009 से ओडिशा में सूखा पड़ने की स्थिति गंभीर हो गई है, क्योंकि पहले जहां हर पांच वर्षों में सूखा पड़ता था, वहीं अब हर दो वर्षों में ही सूखा पड़ जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (आईबीआरडी) से मिलने वाले 165 मिलियन डॉलर के ऋण के तहत छह वर्षों की मोहलत अवधि है और इसकी परिपक्वता अवधि 24 वर्ष है। ■

वैश्विक एवं क्षेत्रीय महत्व के सामि एवं महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचारों क

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग ने 11-12 अक्टूबर, 2019 को भारत के मामल्लपुरम (चेन्नई) में अपने दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया। दोनों नेताओं ने एक दोस्ताना माहौल में वैश्विक एवं क्षेत्रीय महत्व के सामरिक, दीर्घकालिक एवं महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने राष्ट्रीय विकास के मुद्दे पर अपने दृष्टिकोण को भी साझा किया।

चीन के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग का भव्य स्वागत

चीन के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग 11 अक्टूबर को चेन्नई पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सर्वश्री ई के पलानीस्वामी, राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित तथा तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष पी धनपाल ने चीनी राष्ट्रपति का स्वागत किया। मेहमान राष्ट्रपति की अगवानी के लिए एक सांस्कृतिक समारोह भी आयोजित किया गया।

बाद में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग ने सकारात्मक तरीके से द्विपक्षीय संबंधों की दिशा का मूल्यांकन किया और चर्चा की कि वैश्विक मंच पर दोनों देशों की बढ़ती भूमिका को प्रतिबिंबित करने के लिए भारत-चीन द्विपक्षीय बातचीत को किस प्रकार गहराई दी जा सकती है।

दोनों नेताओं ने यह विचार साझा किया कि अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में नए सिरे से उल्लेखनीय समायोजन दिख रहा है। उनका मानना था कि भारत और चीन एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध दुनिया के लिए काम करने के साझा उद्देश्य को पूरा करते हैं, जिसमें सभी देश कानून-आधारित एक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के तहत अपने विकास को आगे बढ़ा सकते हैं।

उन्होंने अप्रैल 2018 में चीन के वुहान में आयोजित पहले अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के दौरान हुई सहमति को दोहराया कि मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारत और चीन स्थिरता के कारक हैं और दोनों पक्ष अपने मतभेदों का विवेकपूर्ण प्रबंधन करेंगे और किसी भी मुद्दे पर मतभेद को विवाद नहीं बनने देंगे।

कानून आधारित बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था का समर्थन

दोनों नेताओं ने माना कि कानून आधारित एवं समावेशी अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को संरक्षित करने और उसे आगे बढ़ाने में भारत और चीन की बराबर रुचि है। इसमें 21वीं सदी की नई वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने वाले सुधार भी शामिल हैं।

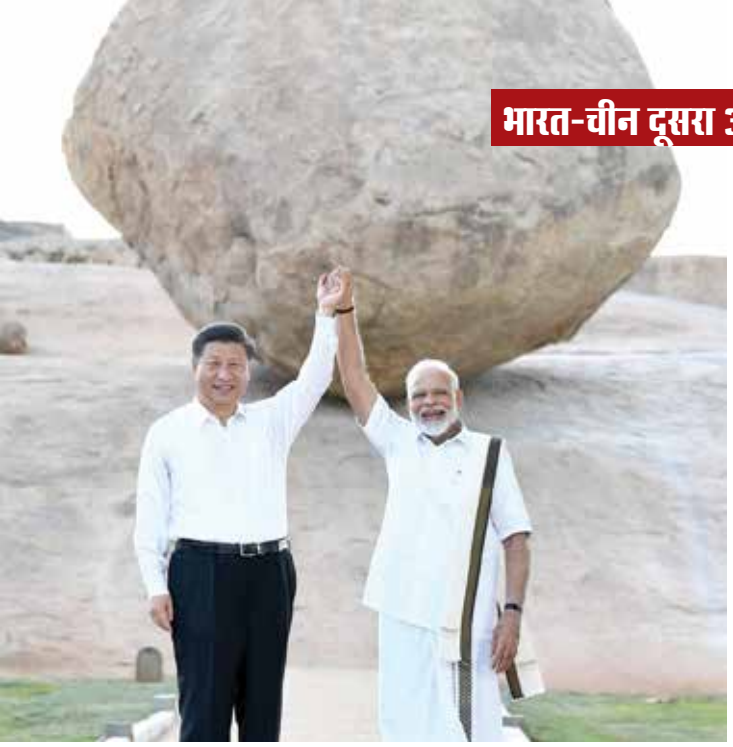

रिक, दीर्घकालिक
ा आदान-प्रदान

दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि ऐसे समय में कानून आधारित बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था का समर्थन करना और उसे मजबूती देना महत्वपूर्ण है, जब वैश्विक तौर पर सहमति वाली व्यापार प्रथाओं और मानदंडों पर चुनिंदा सवाल उठाए जा रहे हैं। भारत और चीन खुले एवं समावेशी व्यापार व्यवस्था के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे, जिससे सभी देशों को फायदा होगा।

दोनों नेताओं ने जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्य सहित वैश्विक विकासात्मक चुनौतियों से निपटने के लिए अपने-अपने देशों में किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों को भी रेखांकित किया। उन्होंने जोर दिया कि इस संदर्भ में उनके व्यक्तिगत प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

दोनों नेताओं ने चिंता जताई कि आतंकवाद एक आम खतरा बना हुआ है। दो बड़े और विविधतापूर्ण देशों के तौर पर उन्होंने माना कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ढांचे को बिना कोई भेदभाव किए दुनिया भर में आतंकवादी समूहों के प्रशिक्षण, वित्त पोषण और समर्थन के खिलाफ ढांचे को मजबूत करने के लिए संयुक्त प्रयासों को जारी रखना आवश्यक है।

सांस्कृतिक समझ को बेहतर करने के लिए लगातार बातचीत आवश्यक

महान परंपराओं के साथ महत्वपूर्ण समकालीन सभ्यताओं के रूप में दोनों नेताओं ने माना कि दोनों देशों के लोगों के बीच सांस्कृतिक समझ को बेहतर

'चेन्नई कनेक्ट' से भारत-चीन संबंधों में सहयोग का एक नया दौर शुरू: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु के चेन्नई के मामल्लपुरम में दूसरी अनौपचारिक शिखर वार्ता को भारत और चीन के बीच 'सहयोग के एक नए दौर' की शुरुआत कहा।

प्रधानमंत्री 12 अक्टूबर को मामल्लपुरम में अनौपचारिक वार्ता के दूसरे दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग की अध्यक्षता में प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता की शुरुआत में अपना उद्घाटन वक्तव्य दे रहे थे।

पिछले साल वुहान में दोनों देशों के बीच पहले अनौपचारिक शिखर सम्मेलन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इससे हमारे संबंधों में स्थिरता बढ़ी है और उसे एक नई रफ्तार मिली है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सामरिक संचार में बढ़ोत्तरी हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमने तय किया है कि हम अपने मतभेदों को विवादों में बदलने से पहले ही उसका समाधान करेंगे, हम एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशील होंगे और हमारे संबंध विश्व शांति एवं स्थिरता के लिए प्रयासरत होंगे।'

मामल्लपुरम में दूसरे अनौपचारिक शिखर वार्ता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'चेन्नई शिखर वार्ता में अब तक हमने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर काफी बातचीत की है। वुहान शिखर वार्ता ने हमारे द्विपक्षीय संबंधों को एक नई गति प्रदान की है। आज हमारे चेन्नई कनेक्ट के साथ दोनों देशों के संबंधों में सहयोग के एक नए युग की शुरुआत हुई है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग को हमारे दूसरे अनौपचारिक शिखर वार्ता के लिए भारत आने के लिए धन्यवाद देता हूं। चेन्नई कनेक्ट से भारत-चीन संबंधों को काफी गति मिलेगी। इससे दोनों देशों और दुनिया के लोगों को फायदा होगा।'

करने के लिए लगातार बातचीत आवश्यक है। दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि इतिहास की दो प्रमुख सभ्यताओं के तौर पर वे दुनिया के अन्य भागों में संस्कृतियों और सभ्यताओं के बीच संवाद एवं समझ को बेहतर के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।

उन्होंने माना कि इस क्षेत्र में समृद्ध और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक खुला, समावेशी और स्थिर वातावरण का होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने पारस्परिक रूप से लाभप्रद और संतुलित क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी के लिए बातचीत के महत्व को भी माना।

दोनों नेताओं ने पिछले दो सहस्त्राब्दियों के दौरान भारत और चीन के बीच महत्वपूर्ण समुद्री संपर्क सहित पुराने वाणिज्यिक लिंकेज और लोगों से लोगों के बीच संपर्क के मुद्दे पर भी अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। इस संबंध में दोनों नेताओं ने तमिलनाडु और फुजियान प्रांत के बीच सिस्टर-स्टेट संबंध स्थापित करने पर सहमति जताई।

उन्होंने अजंता और दुनहुआंग के अनुभव के आधार पर महाबलीपुरम और फुजियान प्रांत के बीच संबंधों का अध्ययन करने के लिए एक अकादमी स्थापित करने की संभावनाए तलाशने की बात की। सदियों पुराने हमारे व्यापक संपर्कों के मद्देनजर भारत और चीन के बीच समुद्री लिंक पर अनुसंधान करने पर भी चर्चा की।

दोनों नेताओं ने अपनी-अपनी अर्थव्यवस्थाओं के विकास लक्ष्यों पर पारस्परिक दृष्टिकोण को भी साझा किया। उन्होंने माना कि भारत और चीन का साथ-साथ विकास पारस्परिक रूप से लाभप्रद अवसर पैदा करेगा।

दोनों पक्ष अपनी मित्रता और सहयोग के अनुरूप एक-दूसरे की नीतियों और कार्यों की सराहना करेंगे और एक सकारात्मक, व्यावहारिक एवं खुले रवैये को अपनाते रहेंगे। इस संबंध में उन्होंने पारस्परिक हित के सभी मामलों पर सामरिक विचार-विमर्श जारी रखने और संवाद तंत्र का पूरा उपयोग करते हुए उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान को कायम के लिए सहमति जताई।

आदर्श उदाहरण पेश करते हुए प्रधानमंत्री ने मामल्लपुरम तट पर सफाई की

स्वच्छ भारत के लिए प्रयासरत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 अक्टूबर को एक बार फिर देश के के सामने आदर्श उदाहरण पेश किया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास के क्षेत्रों को साफ सुथरा रखने के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए।

मामल्लपुरम के तट पर सुबह की सैर करने निकले प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 30 मिनट से भी अधिक समय तक वहां बिखरे प्लास्टिक और कचरे को इकट्ठा किया। बाद में उन्होंने ट्वीट किया, ''आज सुबह मामल्लपुरम के तट पर गया। वहां करीब 30 मिनट से भी अधिक समय तक रहा। वहां बिखरे प्लास्टिक और कचरे को इकट्ठा किया और होटल कर्मचारी जयराज को इकट्ठा किया कचरा दे दिया। हम यह सुनिश्चित करें कि हमारे सार्वजनिक स्थल साफ सुथरे रहें। आइए हम यह भी सुनिश्चित करें कि हम फिट और स्वस्थ रहें।"

दोनों देशों में मजबूत जन समर्थन की आवश्यकता

दोनों नेताओं ने माना कि सकारात्मक करारों ने द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए अवसर सृजित किए हैं। वे इस बात से भी सहमत थे कि इस प्रयास को दोनों देशों में मजबूत जन समर्थन की आवश्यकता है। इस संदर्भ में दोनों नेताओं ने 2020 को भारत-चीन सांस्कृतिक एवं लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान वर्ष के रूप में नामित करने का निर्णय लिया है।

वे इस बात पर भी सहमत हुए कि 2020 में भारत-चीन संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ को राजनीतिक दलों, सांस्कृतिक एवं युवा संगठनों और सेनाओं के बीच सभी स्तरों पर विनिमय को बेहतर करने के लिए पूरी तरह से उपयोग किया जाएगा। राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ को मनाने के लिए दोनों देश सहित 70 गतिविधियों का आयोजन करेंगे जिसमें जहाज यात्रा पर एक सम्मेलन भी होगा जो दोनों सभ्यताओं के बीच ऐतिहासिक संबंधों पर केन्द्रित होगा।

आर्थिक सहयोग को बेहतर बनाने और विकास के लिए करीबी साझेदारी को बेहतर करने के लिए अपने प्रयासों के मद्देनजर दोनों नेताओं ने व्यापार एवं वाणिज्यिक संबंधों को बेहतर करने के उद्देश्य से एक उच्च-स्तरीय आर्थिक एवं व्यापार संवाद तंत्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। साथ ही, वे दोनों देशों के बीच व्यापार को बेहतर तरीके संतुलित करने करने पर भी सहमत हुए।

उन्होंने विनिर्माण भागीदारी के विकास के माध्यम से पहचान किए गए क्षेत्रों में आपसी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी सहमति दी और अपने अधिकारियों को उच्च-स्तरीय आर्थिक एवं व्यापार वार्ता की पहली बैठक में इस मुद्दे शामिल करने का निर्देश दिया।

सीमा संबंधी मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान

दोनों नेताओं ने सीमा संबंधी मुद्दे सहित अन्य मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने विशेष प्रतिनिधियों के काम का स्वागत किया और उनसे आग्रह किया कि वे 2005 में दोनों पक्षों द्वारा सहमत हुए राजनीतिक मानदंडों एवं मार्गदर्शक सिद्धांतों के आधार पर एक उचित एवं पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तलाशने के लिए अपने प्रयासों को जारी रखें।

उन्होंने दोहराया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रयास जारी रहेंगे और इस उद्देश्य से अतिरिक्त विश्वास बहाली के उपायों पर दोनों पक्ष काम जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री जिनपिंग ने एक सकारात्मक नजरिये से इस अनौपचारिक शिखर सम्मेलन की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'वुहान स्प्रिट' और 'चेन्नई कनेक्ट' के साथ ही नेताओं के स्तर पर आपसी समझ को बेहतर करने के लिए इससे एक महत्वपूर्ण अवसर मिला है।

उन्होंने इसे भविष्य में भी जारी रखने के लिए सहमति जताई। 'राष्ट्रपति श्री शी ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को तीसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए चीन की यात्रा पर आने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने निमंत्रण स्वीकार किया। ■

दक्षिण कोरिया से हम कई विषयों पर सीख सकते हैं: मुरलीधर राव

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री मुरलीधर राव के नेतृत्व में पार्टी के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण कोरिया का प्रवास किया। यह यात्रा 14 अक्टूबर से 20 अक्टूबर के बीच संपन्न हुई। इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. विजय सोनकर शास्त्री, सांसद श्री उमेश जी. जाधव, भाजपा विदेश मामले विभाग के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. विजय चौथाइवाले, डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी शोध अधिष्ठान के निदेशक डॉ. अनिर्बान गांगुली एवं भाजपा विदेश मामले विभाग से जुड़े डॉ. आश्विन जोहर भी शामिल थे।

गत 22 अक्टूबर को भाजपा राष्ट्रीय महासचिव श्री मुरलीधर राव से कमल संदेश के सहायक संपादक संजीव सिन्हा ने उनके नई दिल्ली स्थित निवास पर दक्षिण कोरिया प्रवास को लेकर बातचीत की। प्रस्तुत है बातचीत के प्रमुख अंश-

आपके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल दक्षिण कोरिया के प्रवास पर रहा। इस यात्रा का उद्देश्य क्या था?

इस यात्रा का उद्देश्य भारत और दक्षिण कोरिया के बीच पार्टी के स्तर पर बेहतर संबंधों को बढ़ावा देना था।

देखिए, पूर्वी एशिया में गत पांच दशकों में औद्योगिक विस्तार कर एक महत्त्वपूर्ण सफल अर्थव्यवस्था का संचालन करते हुए जो तीन-चार देश गतिशील हैं उसमें दक्षिण कोरिया आता है। दक्षिण कोरिया गत कुछ वर्षों से एक ट्रेड सरप्लस कंट्री के नाते स्थापित हुआ है। निर्यात करते हुए, अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हुए, लगातार ग्रोथ रेट बढ़ाते हुए, वहां की गरीबी को समाप्त किया, शिक्षा के स्तर को बहुत ऊंचा किया और अपने प्रति व्यक्ति आय भी 30-35 हजार डॉलर तक बढ़ाया तो इस प्रकार के एक सफल-विकसित देश के नाते दक्षिण कोरिया स्थापित हुआ है। गत कुछ वर्षों में वहां शुरुआत के दिनों में कुछ दिक्कतें आईं, लोकतांत्रिक व्यवस्था पूरी तरह स्थापित नहीं हो पाई, लेकिन गत दो दशकों में एक सफल लोकतांत्रिक व्यवस्था के नाते भी उसने अपनी राजनीतिक व्यवस्था को स्थिर किया। हमारी जैसी आबादी नहीं है लेकिन एक महत्वपूर्ण देश है, तो इस दृष्टि से भारत और चीन के साथ-साथ जब दो सौ वर्षों के बाद एशिया जो महाखंड है ये एक बार फिर से विश्व के अंदर महत्त्वपूर्ण क्षेत्र के नाते उभर रहा है, फिर से आर्थिक मजबूती को स्थापित कर रहा है। दो सौ

साल उपनिवेशवाद के कारण बहुत कुछ खोया था तो ऐसे में भारत से आने वाले दिनों में रिश्ते, राजनीतिक दृष्टि और आर्थिक दृष्टि से बढ़ना चाहिए, ऐसा वहां की पार्टी और सरकार भी सोच रही है। हमारी लुकईस्ट पॉलिसी जिसे हमारी सरकार ने भी मोदीजी के नेतृत्व में इसको और सक्रिय किया तो ऐसे में उस देश को समझना, संवाद को बढ़ाना, रिश्तों के लिए भविष्य की संभावनाओं को तलाशना और रिश्तों के लिए एक प्रकार से नींव डालने का काम, इस दृष्टि से हमारे सात दिन की छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की यात्रा हुई और यह सचमुच बहुत सफल यात्रा संपन्न हुई।

इस प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण कोरिया में सात दिनों तक किस तरह से प्रवास किए। किस प्रकार के कार्यक्रम रहे?

वहां की जो कोरिया फाउंडेशन है उन्होंने हमारे सारे कार्यक्रमों की रचना की। वहां की सरकार चलाने वाली लिबरल पार्टी, विपक्ष की कंजरवेटिव पार्टी और उसके महत्त्वपूर्ण नेता, ऐसे सब लोगों से व्यक्तिगत और सामूहिक हमारी बातचीत हुई। उनके साथ देश की राजनैतिक, द्विपक्षीय और अलग-अलग देशों के साथ संबंध, उसमें जो जटिलताएं हैं, इन सब पर चर्चा हुई। यहां के एमपी के समान जो वहां की नेशनल असेंबली के मेंबर्स हैं, ऐसे कई लोगों से हमारा मिलना हुआ। वहां नेशनल असेंबली में भी जाकर सब देखा और वहां के अधिकारियों से बात की। उसके अलावा वहां के जो पॉलिसीज इशूज पर सोचनेवाले महत्वपूर्ण थिंक टैंक्स हैं उन सबसे हम मिले। उनकी टोली के साथ हमारी गहन चर्चा हुई। वहां बुद्धिज्म के लगभग चौदह सौ साल पुराने मोनास्ट्री है, तुंगडो मोनास्ट्री, वहां 20-22 प्रतिशत से ज्यादा आबादी बुद्धिज्म के लोग हैं, ऐसे रिलीजियस नेताओं के साथ हम उनसे भी मिले, उनके साथ हमारा भोजन का कार्यक्रम भी था, वहां संवाद का कार्यक्रम भी हुआ और इसके अलावा हमारे वहां पर जितने इंडस्ट्रीज हैं जो भारत के लिए भी और वहां भी महत्त्वपूर्ण हैं, ऐसे हुंडई, सैमसंग, पास्को और डंकू और इस प्रकार के जो महत्त्वपूर्ण कंपनीज हैं, उनसे मिले। उद्योगपतियों और अर्थशास्त्रियों से भी हम मिले। मीडिया के हाउसेस में भी हम गए तो संपूर्ण समाज के अलग-अलग महत्वपूर्ण लोग हैं, पक्ष हैं, उनसे विभिन्न विषयों पर योजनाबद्ध ढंग से चर्चा हुई।

इसी वर्ष दक्षिण कोरिया ने भारत को अपना 'विशेष रणनीतिक साझेदार' घोषित किया। दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंध किस तरह से विकसित हो रहे हैं?

देखिए, 1991 के उदारीकरण के बाद उस समय की सरकार ने लुकईस्ट पॉलिसी की घोषणा की थी। हमारे संबंध बढ़ाने का कार्य शुरू किया था। अटलजी की सरकार के समय भी इसकी गति तेज करने का काम किया। अब विशेषकर मोदीजी की सरकार आने के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति और यहां के प्रधानमंत्री दोनों के बीच गर्मजोशी के रिश्ते हैं। आपसी विश्वास भी है, आपसी केमिस्ट्री बहुत अच्छा है। ऐसी मान्यता वहां के लोगों में है। यहां पर सरकार में स्पेशल डेस्क भी हुआ है, निवेश के बारे में और इससे संबंधित मुद्दों के बारे में समयबद्ध ढंग से इसके फॉलोअप करने की व्यवस्था यहां की सरकार ने किया, जिसका बहुत अच्छा रिस्पांस वहां से है। वो ट्रेड सरप्लस कंट्री होने के कारण उनके पास निवेश करने के लिए बहुत अच्छी पूंजी हैं, उसका उपयोग करने की मंशा हमारे मन में है और आर्थिक दृष्टि से यहां कई जगह पर वो निवेश कर रहे हैं, निवेश बढ़ा है। हम दोनों के बीच में जो ट्रेड है वो 21 बिलियन डॉलर का अभी हो रहा है। हमारे ट्रेड डेफिसीट ज्यादा हैं। आने वाले दिनों में ये ट्रेड डेफिसीट कम करने के लिए उनके देश में कृषि क्षेत्र, स्पेस रिसर्च, सुरक्षा, कृषि, ऑरगेनिक फूड्स और कल्चर, ऐसे क्षेत्र में भारत आगे बढ़ सकता है, इसकी संभावनाएं हमें चर्चा में मिली। हम केंद्र सरकार को भी रिपोर्ट देंगे, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी देंगे, तो जो भविष्य की संभावनाएं हैं उन संभावनाओं को और मजबूत करने के लिए हम आगे बढ़ेंगे।

1991 के उदारीकरण के बाद उस समय की सरकार ने लुकईस्ट पॉलिसी की घोषणा की थी। हमारे संबंध बढ़ाने का कार्य शुरू किया था। अटलजी की सरकार के समय भी इसकी गति तेज करने का काम किया। अब विशेषकर मोदीजी की सरकार आने के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति और यहां के प्रधानमंत्री दोनों के बीच गर्मजोशी के रिश्ते हैं। आपसी विश्वास भी है, आपसी केमिस्ट्री बहुत अच्छा है। ऐसी मान्यता वहां के लोगों में है।

हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि दक्षिण कोरिया भारत के लिए रोल मॉडल है, ऐसा क्यों?

ऐसा इसलिए कहा कि हम लगभग एक ही समय में गुलामी से मुक्त हुए। हम हुए 1947 में और वे 1945 में। उनका पार्टिशन हुआ। हमारा भी पार्टिशन हुआ। दक्षिणी कोरिया-उत्तरी कोरिया करके पार्टिशन हुआ। हमारा भारत और पाकिस्तान के नाते। इतने नीचे से गरीबी से, पिछड़ेपन से, निरक्षरता से, सारी समस्याओं से जूझनेवाला दक्षिणी कोरिया इन सब चुनौतियों को स्वीकार करते हुए आज एक औद्योगिक और प्रौद्योगिक संपन्न देश बन गया है। विपुल मात्रा में पूंजी अर्जित कर प्रति व्यक्ति आय बढ़ाते हुए आधारभूत ढांचे को पूरे देश में गांव-गांव में फैलाया। पांच दशकों के अंदर वह दुनिया के अग्रिम देशों की पंक्ति में आ गया। प्रवास के दौरान अध्ययन पश्चात् हमें लगा कि

दक्षिण कोरिया से कई विषयों पर हम सीख सकते हैं, इसलिए भारत के भविष्य के लिए दक्षिण कोरिया रोल मॉडल की तरह है।

वहां के राजनेताओं, बुद्धिजीवियों और आम आदमी में भारत के प्रति किस प्रकार की सोच है?

देखिए, बुद्धिस्ट लोग वहां आबादी में 20-25 प्रतिशत है। किंतु मूलतः सांस्कृतिक दृष्टि से वो बुद्धिस्ट देश है। इसका प्रभाव आज भी उनके ऊपर है। आज मजहब के नाते कुछ लोग बदले होंगे और कुछ लोग नास्तिक होंगे, उसके बाद भी नास्तिकता के नाते एथिइज्म डिक्लेयर्ड उसके नाते सबसे ज्यादा 50 प्रतिशत वो लोग होंगे, फिर भी वहां बुद्धिज्म की संस्कृति का प्रभाव दिखता है। इसके रहते हुए वहां के आमलोगों में बुद्धिज्म के लिए भारत के प्रति, हालांकि बुद्धिज्म चीन के माध्यम से गया, आदर का भाव है। भारत उनके लिए मातृभूमि है, बुद्ध की जन्मभूमि है, कर्मभूमि है, तपोभूमि है, इसलिए हमारी सांस्कृतिक महत्ता को वो समझते हैं, इसलिए भारत के प्रति उनके मन में खूब सम्मान है। इसके अलावा भी हमने देखा कि वहां ऐतिहासिक कुछ और चीजें हैं। वहां सरनेम किम रखने वालों की आबादी भी 8 से 10 प्रतिशत है। मान्यता है कि ये किम सरनेम रखनेवाली जो आबादी है, उसका संबंध अयोध्या से है। यहां की राजकुमारी शताब्दियों पहले वहां गईं और वहां के कारक डायनेस्टी स्थापित करने वाले महाराज के साथ उनकी शादी हुई और सुरीरत्ना नाम से वह इतिहास में अंकित है। आज उसको वहां हियो के नाम से जानते हैं। उनके वंशजों का ही सरनेम किम है। तो इसके आज भी भावनात्मक और सांस्कृतिक रिश्ते हैं। इसलिए भारत के प्रति आदर है। यही नहीं, जब दक्षिणी कोरिया के ऊपर जापान का राज चलाता था तो उसे लेकर रवींद्रनाथ टैगोरजी ने कविता लिखी कि पूरे विश्व में दक्षिणी कोरिया फिर से लैंप ऑफ द ईस्ट के रूप में पुनर्जाग्रत होगा और विश्व के अंदर एक अच्छी भूमिका निभाएगा। यह लोगों के मन में है। वे लोग इसे भूल नहीं पा रहे हैं और इतना ही नहीं, हमारी भारतीय सेना की भी यशस्वी भूमिका है। उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच में जब युद्ध हुआ, सिविल वार हुआ, 1950 से 53 के दौरान, तो इस दौरान मेडिकल मिशन के रूप में आर्मी के लोगों ने जो सेवा की, उसके कारण लोगों में आज भी बड़ी श्रद्धा है। इसलिए हमारे लोगों के प्रति, हमारी संस्कृति के प्रति और हमारे देश के प्रति वहां के बुद्धिजीवियों, राजनेताओं सबके मन में सम्मान और विश्वास, ये दोनों चीजें मुझे देखने को मिली। भारत में मोदीजी की सरकार इतने बड़े लोकतांत्रिक देश में दुबारा जीतकर इतनी बड़ी संख्या में वोट प्राप्त सत्ता में आई, इससे वो अचंभित हैं और इसे सम्मान से देखते हैं। इसलिए मोदीजी के प्रति वहां पढ़े-लिखे लोगों में और सामान्य लोगों में एक आदर का भाव है। ■

कॉरपोरेट कर में कमी से भारत में निवेश में होगा सुधारः आईएमएफ

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कॉरपोरेट कर में कटौती के भारत के निर्णय का समर्थन करते हुए 18 अक्टूबर को कहा यह निवेश के अनुकूल है।

आईएमएफ के निदेशक (एशिया एवं प्रशांत विभाग) चांगयोंग री ने कहा, ''हम कॉरपोरेट कर में कटौती के उनके निर्णय का स्वागत करते हैं क्योंकि इसका निवेश पर सकारात्मक असर होगा।" उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो बढ़कर 2020 में सात प्रतिशत हो जाएगी।

उन्होंने कहा, ''मौद्रिक नीति में किये गये उपाय तथा कॉरपोरेट कर में कटौती से निवेश में सुधार का अनुमान है।"

आईएमएफ की उप-निदेशक (एशिया और प्रशांत विभाग) एन्ने-मारी गुल्ड-वोल्फ ने कहा कि सरकारी बैंकों में पूंजी डालने समेत कुछ सुधार हुए हैं, लेकिन गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र की दिक्कतें आंशिक तौर पर बनी हुई हैं।" ■

गांधीजी का विचार विश्व को जोड़ता है: नरेन्द्र मोदी

गांधीजी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर चार सांस्कृतिक वीडियो जारी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के 7 लोक कल्याण मार्ग में आयोजित एक समारोह में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 19 अक्टूबर को चार सांस्कृतिक वीडियो जारी किया।

इस समारोह में सर्वश्री आमिर खान, शाहरुख खान, राजकुमार हिरानी, कंगना रानौत, आनन्द एल राय, एस पी बालासुब्रमण्यम, सोनम कपूर, जैकी श्रॉफ, सोनू निगम, एकता कपूर, तारक मेहता ग्रुप, ईटीवी ग्रुप सहित भारतीय फिल्म एवं मनोरंजन उद्योग के सदस्यों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने एक परस्पर संवादमूलक सत्र में उनके व्यक्तिगत आग्रह पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालने के लिए रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े अग्रणी व्यक्तियों तथा इसमें योगदान देने वालों को धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री ने फिल्म एवं मनोरजंन उद्योग से अपनी ऊर्जा मनोरंजक, प्रोत्साहक रचनात्मक कृतियां बनाने की दिशा में लगाने को कहा जो सामान्य नागरिकों को प्रेरित कर सकें। उन्होंने समाज में सकारात्मक रूपांतरण लाने में उनकी असीम क्षमता और सामर्थ्य का उन्हें स्मरण दिलाया।

वर्तमान समय में महात्मा गांधी के प्रभाव को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर कहीं एक विचार, एक व्यक्ति है जो दुनिया भर के लोगों के बीच संपर्क स्थापित कर सकता है तो वह महात्मा गांधी हैं।

उनके द्वारा प्रस्तावित आइंस्टाइन चुनौती का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री ने फिल्म बिरादरी से गांधी के विचार को सामने लाने के लिए प्रौद्योगिकी के चमत्कार का उपयोग करने का आग्रह किया।

भारतीय मनोरंजन का प्रभाव एवं क्षमता

प्रधानमंत्री ने मामल्लपुरम में चीन के राष्ट्रपति के साथ अपनी मुलाकात का स्मरण किया जिसमें राष्ट्रपति ने चीन में दंगल जैसी भारतीय फिल्मों की लोकप्रियता को रेखांकित किया था। उन्होंने दक्षिण पूर्व एशिया में रामायण की लोकप्रियता का भी उल्लेख किया।

उन्होंने फिल्म बिरादरी को भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने में अपनी सॉफ्ट पावर क्षमता का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि भारत 2022 में अपनी 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने उपस्थित जनसमूह से 1857 से 1947 तक भारत के स्वतंत्रता संग्राम तथा 1947 से 2022 तक भारत की विकास गाथा की प्रेरक कहानियों को भी प्रदर्शित करने का आग्रह किया। उन्होंने भारत में एक वार्षिक अंतरराष्ट्रीय मनोरंजन सम्मेलन की मेजबानी करने की योजना का भी उल्लेख किया।

सिने कलाकारों ने प्रधानमंत्री की प्रशंसा की

प्रधानमंत्री के साथ एक परस्पर संवादमूलक सत्र में आमिर खान ने विश्व में महात्मा गांधी के संदेश के प्रसार के प्रयोजन की दिशा में योगदान देने का विचार सुझाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

विख्यात फिल्म निदेशक राजकुमार हिरानी ने बताया कि आज जारी किया गया वीडियो 'चेंज विदिन' की विषय वस्तु पर जारी किए जाने वाले कई वीडियो में एक है। उन्होंने प्रधानमंत्री को उनकी निरंतर प्रेरणा, दिशा निर्देश और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

शाहरुख खान ने एक ऐसे प्लेटफॉर्म का निर्माण करने, जहां फिल्म बिरादरी के सभी लोग एक साथ आएं और एक विशेष प्रयोजन के लिए कार्य करें, के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसी पहल पूरे विश्व को गांधीजी के उपदेशों को फिर से आधुनिक संदर्भों में प्रस्तुत करेगी।

विख्यात फिल्म निर्माता आनन्द एल राय ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया कि उन्होंने राष्ट्र निर्माण की दिशा में मनोरंजन उद्योग को उसकी क्षमता को महसूस कराया। प्रधानमंत्री ने फिल्म बिरादरी को मनोरंजन उद्योग के समग्र विकास के लिए उनकी सरकार से सभी प्रकार की सहायता दिए जाने का आश्वासन दिया। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती की विषय वस्तु पर केंद्रित वीडियो की संकल्पना और सृजन राजकुमार हिरानी, ईटीवी ग्रुप, तारक मेहता ग्रुप एवं भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया। ■

अभिजीत बनर्जी को मिला अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार

भारतीय अमेरिकी श्री अभिजीत बनर्जी को वर्ष 2019 के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार फ्रांस की एस्थर डुफ्लो और अमेरिका के माइकल क्रेमर के साथ संयुक्त रूप से दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार 'वैश्विक स्तर पर गरीबी उन्मूलन के लिए किये गये कार्यों के लिये दिया गया। नोबेल समिति के 14 अक्टूबर को जारी एक बयान में तीनों को 2019 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की। बयान के मुताबिक, ''इस वर्ष के पुरस्कार विजेताओं का शोध वैश्विक स्तर पर गरीबी से लड़ने में हमारी क्षमता को बेहतर बनाता है। मात्र दो दशक में उनके नये प्रयोगधर्मी दृष्टिकोण ने विकास अर्थशास्त्र को पूरी तरह बदल दिया है। विकास अर्थशास्त्र वर्तमान में शोध का एक प्रमुख क्षेत्र है।''

श्री बनर्जी, 58 वर्ष, ने भारत में कलकत्ता विश्वविद्यालय और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई की। इसके बाद 1988 में उन्होंने हावर्ड विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि हासिल की। वर्तमान में वह मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में अर्थशास्त्र के फोर्ड फाउंडेशन अंतरराष्ट्रीय प्रोफेसर हैं।

श्री बनर्जी ने वर्ष 2003 में डुफ्लो और सेंडिल मुल्लाइनाथन के साथ मिलकर अब्दुल लतीफ जमील पावर्टी एक्शन लैब (जे-पाल) की स्थापना की। वह प्रयोगशाला के निदेशकों में से एक हैं। श्री बनर्जी संयुक्त राष्ट्र महासचिव की 2015 के बाद के विकासात्मक एजेंडा पर विद्वान व्यक्तियों की उच्च स्तरीय समिति' के सदस्य भी रह चुके हैं। ■

प्रधानमंत्री ने अभिजीत बनर्जी को बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री अभिजीत बनर्जी को अल्फ्रेड नोबेल की याद में आर्थिक विज्ञान के क्षेत्र में 2019 का सेवरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा, "अभिजीत बनर्जी को अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में आर्थिक विज्ञान में का सेवरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई। उन्होंने गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। मैं प्रतिष्ठित नोबेल प्राप्त करने के लिए एस्तेर डुफ्लो और माइकल क्रेमर को भी बधाई देता हूं।"

"गुप्तवंशक-वीरः स्कंदगुप्त विक्रमादित्य" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

गुप्त वंश की सबसे बड़ी सफलता एक 'अखंड भारत' की रचनाः अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 17 अक्टूबर को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) के स्वतंत्रता भवन में भारत अध्ययन केंद्र के तत्वाधान में "गुप्तवंशक-वीरः स्कंदगुप्त विक्रमादित्य" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया और इस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए स्कंदगुप्त विक्रमादित्य को एक महान शासक बताया।

इस कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जापान, अमेरिका, वियतनाम, मंगोलिया, श्रीलंका, नेपाल, थाईलैंड सहित कई देशों से आमंत्रित विद्वान, प्रसिद्ध इतिहासकार, साहित्यकार, भाषाशास्त्री एवं शिक्षाविद् उपस्थित थे।

श्री शाह ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी का स्मरण करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय भारतीय सभ्यता और संस्कृति को अक्षुण्ण रखने हेतु ज्योतिर्मय बनकर ध्वजवाहक के रूप में खड़ा है और पूरी दुनिया में हिन्दू संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। इस विद्यापीठ ने भारत की शिक्षा पद्धति और संस्कृति के संस्कारों को पुनर्जीवन दिया है और यह कार्य ऐसे समय में किया जा रहा है जब देश को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

उन्होंने कहा कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद अपराध भाव से युक्त समाज के गौरव को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए जिस चेतनाबोध की जरूरत होती है, इसके लिए एक व्यक्ति नहीं, विद्यापीठ ही कर सकती है, विश्वविद्यालय ही कर सकती है। इसी दूरदर्शिता के साथ महामना ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की नींव रखी थी। आज के भारत और देश के आने वाले भविष्य को लेकर जो शांति और संभावना की बात हमारे हृदय में आती है, इसकी नींव में कहीं न कहीं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का बहुत बड़ा योगदान है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने भारत अध्ययन केंद्र का अभिनंदन करते हुए कहा कि महामानव सम्राट स्कंदगुप्त के जीवन के बिखरे हुए ऐतिहासिक पन्नों को संकलित करने का जो कार्य भारत अध्ययन केंद्र ने लिया है, वह निस्संदेह अभिनंदनीय है। यह संगोष्ठी एक ऐसे व्यक्तित्व को फिर से इतिहास के पन्नों पर पुनर्जीवित करने का काम करेगी जिसने न केवल भारतीय सभ्यता, संस्कृति और साहित्य को संरक्षित किया, बल्कि भारतवर्ष को हूणों के आक्रमण से बचाते हुए जूनागढ़ से लेकर कंधार तक और केरल से लेकर बंग तक एक अखंड भारत की रचना भी की।

श्री शाह ने कहा कि महाभारत काल के लगभग 2000 साल बाद ईसा पूर्व के 800 वर्षों के काल खंड में दो शासन व्यवस्थाओं मौर्य वंश और गुप्त वंश ने न केवल देश की एकता व अखंडता सुनिश्चित की बल्कि साहित्य, संस्कृति, अर्थशास्त्र, नीतिशास्त्र का संवर्धन करते हुए पूरी दुनिया में भारतवर्ष को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित भी किया।

उन्होंने आचार्य चाणक्य के सांस्कृतिक एवं वैचारिक अधिष्ठान के आधार पर मौर्य वंश के योगदान पर विशेष चर्चा करते हुए तब के राजनीतिक संदर्भों का उल्लेख किया और कहा कि मौर्य वंश के अवसान के बाद और गुप्त वंश के पहले का समय काफी अंधकारमय था और हमारी सभ्यता, संस्कृति, भाषा, शिक्षा अपने अवसान की ओर जाने लगी थी। गुप्त वंश की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि उन्होंने मगध और वैशाली के बीच के टकराव को हमेशा के लिए ख़त्म करते हुए एक अखंड भारत की रचना की।

उन्होंने सम्राट समुद्रगुप्त का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उनका कालखंड भारत के स्वर्णिम युग के रूप में जाना जाता है, वे गुप्त वर्ष को ऊंचाइयों तक ले गए और तब केरल पर भी अखंड भारत का झंडा लहराया था। उन्होंने रामगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय जिनको इतिहास विक्रमादित्य के नाम से भी जानता है और कुमारगुप्त के कालखंड का संक्षिप्त वर्णन करते हुए कहा कि कुमारगुप्त के वृद्ध होते ही भारवर्ष बर्बर हूणों के आक्रमण से आक्लांत होने लगा, धर्म का नाश होने लगा, भाषा, संस्कृति का क्षय होने लगा तब स्कंदगुप्त का उदय हुआ।

उन्होंने न केवल हूणों को भारत से खदेड़ कर अखंड भारत की कल्पना को साकार किया बल्कि देश की एकता व अखंडता बनाए रखने के लिए सत्ता का भी परित्याग किया। निस्संदेह इतिहास ने सम्राट स्कंदगुप्त के साथ बहुत अन्याय किया है। सम्राट स्कंदगुप्त की वीरता, पराक्रम एवं उनके योगदान की जितनी भी प्रशंसा होनी चाहिए थी, इतिहास ने नहीं की।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हूणों के आक्रमण की कल्पना आज का समाज कर भी नहीं सकता कि वह कितना विनाशक, भयावह और बर्बर था। चीन ने हजारों किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक दीवार चीन को केवल और केवल हूणों से बचाने के लिए ही किया था। रोम, एथेंस, फ्रांस सहित पूरे यूरोप ने आततायी हूणों के बर्बर आक्रमण का दंश झेला। हूणों ने हमारे ऐतिहासिक तक्षशिला विश्वविद्यालय को तहस-नहस कर के रख दिया और ऐसे समय में स्कंदगुप्त ने आगे बढ़कर पूरे भारतवर्ष से हूणों को खदेड़ने का संकल्प लिया।

हूणों के आक्रमण की कल्पना आज का समाज कर भी नहीं सकता कि वह कितना विनाशक, भयावह और बर्बर था। चीन ने हजारों किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक दीवार चीन को केवल और केवल हूणों से बचाने के लिए ही किया था। रोम, एथेंस, फ़्रांस सहित पूरे यूरोप ने आततायी हूणों के बर्बर आक्रमण का दंश झेला। हूणों ने हमारे ऐतिहासिक तक्षशिला विश्वविद्यालय को तहस-नहस कर के रख दिया और ऐसे समय में स्कंदगुप्त ने आगे बढ़कर पूरे भारतवर्ष से हूणों को खदेड़ने का संकल्प लिया।

उन्होंने चतुरंगी सेना तैयार कर हिंदुस्तान को हूणों से खदेड़ बाहर किया और हूणों के आतंक से भारतवर्ष को मुक्ति दिलाई। स्कंदगुप्त के पराक्रम से ही देश सुरक्षित हुआ। देश को सुरक्षित करने के साथ ही साथ उन्होंने खुशहाल और समृद्ध भारत की स्थापना की भी कल्पना की, जिसके कारण समकालीन दुनिया के कई विद्वानों ने उन्हें महान सम्राट की संज्ञा दी।

जब चीन के सम्राट को स्कंदगुप्त की वीरता और हूणों को ख़त्म करने की बात पता चली तो उन्होंने भारत के राजदूत को बुलाकर स्कंदगुप्त के लिए प्रशस्ति पत्र दिया और प्रशस्ति पत्र के वाचन के लिए अपने विद्वानों को पाटलिपुत्र भेजा। यह भारतीय इतिहास की एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण घटना है। शायद ही वैश्विक स्तर पर किसी समकालीन सम्राट को इतनी बड़ी मान्यता मिली हो। इतना ही नहीं, जब हूणों को खदेड़कर स्कंदगुप्त पाटलिपुत्र पहुंचे तो उनकी मां ने कुरुगुप्त को राजा बनाने का विवाद खड़ा किया और महामानव स्कंदगुप्त ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए संकल्पित रहते हुए राज पद का परित्याग किया।

उन्होंने शादी न करते हुए आजीवन देश की सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए अपने आप को खपा डाला। सम्राट स्कंदगुप्त ने शासन व्यवस्था को सही करने के लिए कई प्रशस्ति पत्र, शिलालेख बनाए। दुर्ग और नगर की रचना की और राजस्व संग्रह की व्यवस्था बनाई। हालांकि दुर्भाग्य की बात है कि इन घटनाओं के बारे में इतिहास में अधिक चर्चा नहीं हुई।

श्री शाह ने जोर देते हुए कहा कि भारतीय इतिहास का भारत के दृष्टिकोण से पुनर्लेखन होना चाहिए। जिन्होंने पहले कुछ भी लिखा है, उनसे बिना विवाद में पड़े हुए सत्य के तत्व को संजोते हुए लोगों तक हमारे वास्तविक इतिहास को पहुंचाना चाहिए। आज देश के बहुत कम छात्रों को ही सम्राट स्कंदगुप्त के बारे में पता होगा। उनके बारे में अध्ययन के लिए कोई पुस्तक भी उपलब्ध नहीं है, यह कितने दुर्भाग्य की बात है। इसके लिए किसी को भी दोष देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि दोष हमारा है, हमने अपने दृष्टिकोण से इतिहास की रचना नहीं की, हमारे महान व्यक्तित्वों के बारे में अपने ही लोगों को नहीं बताया।

आज हमारे पास विजय नगर साम्राज्य का संदर्भ ग्रंथ नहीं है, मौर्य साम्राज्य और गुप्त साम्राज्य का भी संदर्भ ग्रंथ नहीं है, छत्रपति शिवाजी महाराज के संघर्षों का भी कोई शोध ग्रंथ नहीं है। सिख गुरुओं और महाराणा प्रताप के बलिदानों का भी यशस्वी और प्रमाणिक ग्रंथ नहीं है। आज यदि वीर सावरकर न होते तो शायद सन् 1857 की क्रांति का भी इतिहास न होता, हम उसे भी अंग्रेजों की ही दृष्टि से देख और पढ़ रहे होते। वीर सावरकर ने ही सन् 1857 की क्रांति को पहले स्वतंत्रता संग्राम का नाम दिया था।

उन्होंने कहा कि वामपंथियों, अंग्रेज और मुगलकालीन इतिहासकारों को दोष देने से कुछ नहीं होगा, हमें अपना दृष्टिकोण बदलना होगा और अपने मेहनत की दिशा को केंद्रित करना होगा। हमारे देश में कम से कम 200 ऐसे व्यक्तित्व हुए हैं जिनके कारण देश एकता, अखंडता अक्षुण्ण रही है और हमारी संस्कृति ने दुनिया का मार्गदर्शन किया है। कम से कम 25 ऐसे साम्राज्य हुए हैं जिन्होंने मानव जीवन को नया आयाम दिया है। हमें इस पर पुनर्लेखन करना चाहिए और उस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। ■

चेनानी नशरी सुरंग का नाम अब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री श्री नितिन गडकरी और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, प्रधानमंत्री कार्यालय, जन शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने 24 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में जम्मू और कश्मीर में एनएच-44 पर स्थित चेनानी नशरी सुरंग का नाम बदलकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग करने की घोषणा की।

9 किलोमीटर की यह सुरंग देश की सबसे लंबी आधुनिक सुरंग है, जो उधमपुर को जम्मू में रामबन से जोड़ती है। 2500 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस सुरंग के कारण यात्रा का मार्ग 31 किलोमीटर और दोनों जगहों के बीच यात्रा का समय करीब दो घंटे कम कर हो गया है, जिससे ईंधन की काफी बचत होगी।

इस अवसर पर श्री गडकरी ने कहा कि सुरंग का नया नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और वह राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत रहे। जम्मू और कश्मीर राज्य में उनके मंत्रालय की पहल के बारे में श्री गडकरी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य में 6000 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं का काम शुरू किया गया है। इनमें जम्मू और श्रीनगर के आसपास रिंग रोड और जोजिला सुरंग का निर्माण शामिल है।

उन्होंने कहा कि यह परियोजनाएं राज्य की जनता के लिए बड़ा परिवर्तन साबित होंगी, जिनसे रोजगार मिलेगा और सामाजिक-आर्थिक विकास होगा।

श्री गडकरी ने दिल्ली और जम्मू में कटरा के बीच नए सड़क संपर्क के निर्माण की घोषणा की, जिससे यात्रा का समय 6 घंटे तक कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नया सड़क संपर्क हरियाणा और पंजाब राज्यों से होकर गुजरेगा। श्री गडकरी ने कहा कि सरकार हथकरघा, हस्तशिल्प, शहद आधारित उद्योगों जैसे मध्यम और लघु उद्योगों के जरिए राज्य में रोजगार सृजन के अवसर बढ़ाने की नीति पर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि देश के लिए यह एक अनोखा क्षण है। 66 वर्ष पूर्व डॉ. मुखर्जी को गैर-कानूनी तरीके से लखनपुर से गिरफ्तार कर लिया गया था और उन्हें चेनानी नशरी के जरिए श्रीनगर ले जाया गया। डॉ. मुखर्जी उस समय लोकसभा के सदस्य थे। इस सुरंग का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखने के बाद यह उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी और आने वाले पीढ़ियां भविष्य में इस दिन को याद रखेंगी।

उन्होंने कहा कि यह कामगारों के संघर्ष को श्रद्धांजलि है और डॉ. मुखर्जी के 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' के संकल्प को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के अंतर्गत क्षेत्र का काफी विकास हुआ है। उधमपुर में करीब 2 दर्जन पुलों का निर्माण हुआ है। कुछ अंतरराज्यीय पुलों और आधुनिक सुरंगों का निर्माण हुआ है। ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सागर पर लिखी एक भावुक कविता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के तट पर टहलते-टहलते वह भावुक हो गए और उन्होंने सागर और उसके गुणों पर एक कविता की रचना कर डाली। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी दूसरे भारत-चीन अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए चेन्नई के मामल्लपुरम में थे।

'हे सागर तुम्हे प्रणाम' शीर्षक वाली यह कविता समुद्र के साथ प्रधानमंत्री के निजी भावनात्मक संबंध को बयान करती है।

हे... सागर !!!
तुम्हें मेरा प्रणाम!

तू धीर है, गंभीर है,
जग को जीवन देता, नीला है नीर तेरा।
ये अथाह विस्तार, ये विशालता,
तेरा ये रूप निराला।

हे... सागर !!!
तुम्हें मेरा प्रणाम!

सतह पर चलता ये कोलाहल, ये उत्पात,
कभी ऊपर तो कभी नीचे।
गरजती लहरों का प्रताप,
ये तुम्हारा दर्द है, आक्रोश है
या फिर संताप ?
तुम न होते विचलित
न आशंकित, न भयभीत
क्योंकि तुममें है गहराई!

हे... सागर !!!
तुम्हें मेरा प्रणाम!

शक्ति का अपार भंडार समेटे,
असीमित ऊर्जा स्वयं में लपेटे।
फिर भी अपनी मयार्दाओं को बांधे,
तुम कभी न अपनी सीमाएं लांघे!
हर पल बड़प्पन का बोध दिलाते।

हे... सागर !!!
तुम्हें मेरा प्रणाम!

तू शिक्षादाता, तू दीक्षादाता
तेरी लहरों में जीवन का
संदेश समाता।
न वाह की चाह,
न पनाह की आस,
बेपरवाह सा ये प्रवास।

हे... सागर !!!
तुम्हें मेरा प्रणाम!

चलते-चलाते जीवन संवारती,
लहरों की दौड़ तेरी।
न रुकती, न थकती,
चरैवती, चरैवती, चरैवती का मंत्र सुनाती।
निरंतर... सर्वत्र!
ये यात्रा अनवरत,
ये संदेश अनवरत।

हे... सागर !!!
तुम्हें मेरा प्रणाम!

लहरों से उभरती नई लहरें।
विलय में भी उदय,
जनम-मरण का क्रम है अनूठा,
ये मिटती-मिटाती, तुम में समाती,
पुनर्जन्म का अहसास कराती।

हे... सागर !!!
तुम्हें मेरा प्रणाम!

सूरज से तुम्हारा नाता पुराना,
तपता-तपाता,
ये जीवंत-जल तुम्हारा।
खुद को मिटाता, आसमान को छूता,
मानो सूरज को चूमता,
बन बादल फिर बरसता,
मधु भाव बिखेरता।
सुजलाम-सुफलाम सृष्टि सजाता।

हे... सागर !!!
तुम्हें मेरा प्रणाम!

जीवन का ये सौंदर्य,
जैसे नीलकंठ का आदर्श,
धरा का विष, खुद में समाया,
खारापन समेट अपने भीतर,
जग को जीवन नया दिलाया,
जीवन जीने का मर्म सिखाया।

हे... सागर !!!
तुम्हें मेरा प्रणाम!

Narendra Modi

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चैक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चैक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

मामल्लपुरम (चेन्नई) स्थित पंच रथ परिसर में चीन के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग का स्वागत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

मामल्लपुरम (चेन्नई) में चीन के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग के साथ उपहारों का आदान-प्रदान करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

मामल्लपुरम (चेन्नई) के समुद्र तट पर आदर्श उदाहरण पेश करते हुए कूड़ा उठाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

गांधीजी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर चार सांस्कृतिक वीडियो जारी करने के अवसर पर फिल्मी सितारों से बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि देते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-20